website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 260 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 28 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने वैष्णो देवी भूस्खलन पर किया दुख व्यक्त, सहायता का आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर रूट पर भूस्खलन के कारण मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही, पीएम मोदी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। भारी बारिश के बीच श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रूट पर मंगलवार को भूस्खलन की घटना हुई। अर्धकुवारी के नजदीक पहाड़ी से गिरे पत्थरों और मलबे ने रूट को प्रभावित किया। हादसे में बहुत से लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, भूस्खलन और भारी बारिश के बाद श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन के कारण हुई जान-माल की हानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना करता हूं।"

इस बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। मैंने उन्हें जम्मू-कश्मीर के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। मैंने तवी नदी के किनारे जम्मू के उन हिस्सों का दौरा किया जहाँ कल काफी नुकसान हुआ था। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को निरंतर सहायता देने के उनके आश्वासन के लिए आभारी हूं।"

वहीं, एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 30 लोगों की मौत होने और 15 लोगों के घायल होने की जानकारी है। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। स्थानीय प्रशासन के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें ऑपरेशन में जुटी हैं। मौसम में सुधार होने से कार्रवाई में तेजी आएगी और जल्द स्थिति सामान्य होगी।

जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन पर डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने कहा कि दूरस्थ और सीमावर्ती इलाकों में भी भारी बाढ़ आई है, जिसके कारण एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। सीमावर्ती इलाकों में कई बचाव अभियान चलाए गए। एक जगह बीएसएफ के जवान फंसे हुए थे, जिन्हें वहां से सुरक्षित निकाला गया है।

उन्होंने बताया कि अखनूर, सांबा और रियासी इलाके में लगातार ऑपरेशन चल रहा है। दिल्ली से एनडीआरएफ की 4 टीमों को भेजा गया है। 4 टीमें लुधियाना से रवाना की गईं, जिन्हें सांबा और जम्मू में तैनात किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए न्यायाधीश

-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने की आलोक अराधे और विपुल मनुभाई पंचोली की नियुक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो नए न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया। यह नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की सिफारिश पर की गई, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने की। इन नियुक्तियों की जानकारी देश के कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की।

न्यायमूर्ति आलोक अराधे का जन्म अप्रैल 1964 में हुआ था। उन्होंने दिसंबर 2009 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में अपने न्यायिक करियर की शुरुआत की और फरवरी 2011 में स्थायी न्यायाधीश बने। वे जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में भी रहे और 2018 में लगभग तीन महीने तक कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रहे। इसके बाद उन्हें कर्नाटक हाईकोर्ट स्थानांतरित किया गया, जहां 2022 में उन्होंने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पद संभाला। जुलाई 2023 में उन्हें तेलंगाना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया और जनवरी 2025 में वे बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने।

वहीं, न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली का जन्म 28 मई 1968 को अहमदाबाद में हुआ और वे गुजरात के रहने वाले हैं। जून 2016 में उन्हें गुजरात हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसके बाद जुलाई 2023 में उनका स्थानांतरण पटना हाईकोर्ट में किया गया। यहां 21 जुलाई 2025 को उन्हें मुख्य न्यायाधीश पद पर पदोन्नत किया गया। इन दोनों नियुक्तियों से सुप्रीम कोर्ट की संरचना और मजबूत हुई है। इससे न्यायपालिका की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और लंबित मामलों के निपटान में भी तेजी आएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'ऑपरेशन महादेव' में शामिल सुरक्षाकर्मियों को सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उन जवानों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया, जिन्होंने 'ऑपरेशन महादेव' के तहत 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया और पाकिस्तानी समर्थित तीनों आतंकवादियों को ढेर किया था।

गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाकर्मियों की बहादुरी और पीड़ित परिवारों के दर्द और पीड़ा को कम करने के लिए उनकी सराहना की, जो जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में छुट्टियां मनाते समय हुई इस निर्मम हत्या से स्तब्ध और व्यथित थे।

'ऑपरेशन महादेव' के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सभी आतंकवादियों को मार गिराया। पहलगाम में पर्यटकों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया था और फिर उनकी हत्या कर दी गई थी।

यह ऑपरेशन संसद के मानसून सत्र की शुरुआत में ही संपन्न हुआ था। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में भी इसकी जानकारी दी। इस ऑपरेशन के बारे में गृह मंत्री ने सांसदों को बताया था कि सभी जांचों और फॉरेंसिक साक्ष्यों से पुष्टि हुई है कि 'ऑपरेशन महादेव' में मारे गए आतंकवादियों ने ही पहलगाम में एक नेपाली पर्यटक सहित 26 निर्दोष लोगों की हत्या की थी।

इससे पहले दिन में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में गृह मंत्री ने सशस्त्र बलों, सीआरपीएफ कमांडो और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों को सम्मानित किया। गृह मंत्री ने सभी सुरक्षाकर्मियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के सम्मान में उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट किए। ऐसा माना जा रहा है कि 'ऑपरेशन महादेव' टीम ने तीन महीने तक चले इस ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें खत्म करने में आई चुनौतियों और अनुभवों को भी गृह मंत्री के साथ साझा किया।

गृह मंत्री शाह ने जवानों को बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को भारतीय नागरिकों की जान लेने वालों के दुष्परिणामों का स्पष्ट संदेश दिया है।

कैबिनेट ने 12,328 करोड़ की चार बड़ी रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

-5 राज्यों में कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को 12,328 करोड़ रुपये की चार बड़ी रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं का मकसद कनेक्टिविटी, माल परिवहन और क्षेत्रीय विकास में मजबूती लाना है। इनमें गुजरात के कच्छ क्षेत्र में नई देशलपर-हाजीपीर-लूना और वयोर-लाखपत रेल लाइन शामिल है, जिसकी लागत 2,526 करोड़ रुपये होगी। यह 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी लंबी होगी और तीन साल में पूरी होगी। इस लाइन से नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर व बेंटोनाइट के परिवहन में आसानी होगी और रण ऑफ कच्छ, धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लाखपत किले तक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा 13 नए स्टेशन बनेंगे और 866 गांवों के लगभग 16 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

वहीं कर्नाटक व तेलंगाना में 5,012 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदराबाद (सनथनगर)- वाडी तीसरी व चौथी लाइन परियोजना को पांच साल में पूरा किया जाएगा। बिहार में 1,156 करोड़ रुपये की लागत से भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन परियोजना (53 किमी) और असम में 3,634 करोड़ रुपये की लागत से फुरकाटिंग-न्यू तिनसुकिया डबलिंग परियोजना (194 किमी) भी स्वीकृत की गई है।

कुल मिलाकर, इन परियोजनाओं से 565 रूट किमी नई रेल क्षमता जुड़ेगी, 3,108 गांवों और 47 लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा तथा निर्माण के दौरान 251 लाख मानव-दिवस का रोजगार सृजित होगा। क्षमता विस्तार से न केवल रेल संचालन की दक्षता बढ़ेगी बल्कि भीड़ कम होगी, और यात्री व माल सेवाएं बेहतर होंगी। अनुमान है कि सालाना 68 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई की जाएगी। इससे लॉजिस्टिक लागत में कमी, तेल आयात घटाने और कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। 360 करोड़ किलो CO_2 उत्सर्जन में कमी का प्रभाव 14 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर होगा। ये परियोजनाएं पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं, जिनका लक्ष्य एकीकृत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास है। रेलवे मंत्रालय के अनुसार, यह इंफ्रास्ट्रक्चर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत विजन के अनुरूप है और क्षेत्र में रोजगार व स्वरोजगार के अवसर बढ़ाएगी।

यूपी सरकार 1 से 30 सितंबर तक चलाएगी 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्यव्यापी अभियान 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान 1 सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगा। जिसके तहत बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा। इस अभियान का नेतृत्व जिला मजिस्ट्रेट करेंगे और इसे रोड सेफ्टी कमेटियों के सहयोग से चलाया जाएगा।

इस अभियान में पुलिस, परिवहन, राजस्व और जिला प्रशासन मिलकर काम करेंगे ताकि लोग मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का पालन करें। सरकार ने साफ किया है कि यह अभियान जुर्माने के लिए नहीं बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा है। मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 129 के तहत दोपहिया वाहन चलाने वाले और पीछे बैठने वाले दोनों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। वहीं धारा 194D में उल्लंघन पर जुर्माने का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी ने भी सभी राज्यों को हेलमेट नियमों का कड़ाई से पालन कराने की सलाह दी है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान का मकसद दंड देना नहीं है बल्कि लोगों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए खाद्य एवं रसद विभाग को पेट्रोल पंपों पर समन्वय और निगरानी का जिम्मा दिया गया है। वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा।

वहीं परिवहन आयुक्त बृजेश नारायण सिंह ने कहा, "नो हेलमेट, नो फ्यूल दंड नहीं बल्कि सुरक्षा की शपथ है। हेलमेट पहले, ईंधन बाद में इसे नियम बनाएं, क्योंकि हेलमेट जीवन बचाने का सबसे आसान बीमा है।" उन्होंने नागरिकों, पेट्रोल पंप संचालकों और तेल कंपनियों से पूर्ण सहयोग की अपील की। इस अभियान से राज्य सरकार का लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में मौतों और गंभीर चोटों को कम करना है। इसके लिए सरकार, उद्योग और नागरिक मिलकर ठोस कदम उठाने की दिशा में काम करेंगे।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के मिशन पर काम कर रही सरकार- नीति आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग के ऊर्जा, प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण सलाहकार राजनाथ राम के अनुसार, केंद्र सरकार ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) मिशन के रोडमैप और परिव्यय को अंतिम रूप दे रही है।

कुल परिव्यय को अंतिम रूप देने के लिए भी चर्चा चल रही है

नीति आयोग के एक अधिकारी ने एक कार्यक्रम में कहा, "हम मिशन रोडमैप को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। कुल परिव्यय को अंतिम रूप देने के लिए भी चर्चा चल रही है।" उन्होंने 2030 तक गैस की खपत को 180-200 अरब घन मीटर तक बढ़ाने के लिए एलएनजी के लिए लॉन्ग-टर्म सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स का भी आह्वान किया, जिसका लक्ष्य ऊर्जा मिश्रण में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। इसके लिए एलएनजी की खपत में दो से तीन गुना वृद्धि की आवश्यकता है।

सीसीयूएस प्रक्रिया औद्योगिक स्रोतों और पावर प्लांट से कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में जाने से पहले ही कैप्चर करती है

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) एक ऐसी प्रक्रिया है, जो औद्योगिक स्रोतों और पावर प्लांट से कार्बन डाइऑक्साइड (सीओटू) को वायुमंडल में प्रवेश करने से पहले ही कैप्चर कर लेती है। कैप्चर की गई सीओटू का उपयोग रसायनों, निर्माण सामग्री या ईंधन जैसे उत्पादों में किया जाता है या इसे भूमिगत भूवैज्ञानिक संरचनाओं जैसे कि समाप्त हो चुके तेल और गैस भंडारों में स्थायी रूप से संग्रहीत किया जाता है।

एलएनजी खपत व सप्लाई बढ़ाने के लिए राम ने संसाधनों की मैपिंग और आयात निर्भरता घटाने हेतु भौगोलिक बेसिनों के राष्ट्रव्यापी सर्वे का आह्वान किया

एलएनजी की खपत और लॉन्ग टर्म सप्लाई बढ़ाने के लिए, राम ने मौजूदा संसाधनों की मैपिंग करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भौगोलिक बेसिनों का राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर, हमें सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) के लिए बड़े पैमाने पर टाय-अप करना होगा।

परिवहन क्षेत्र गैस की मांग का एक प्रमुख क्षेत्र हो सकता है, जो डीजल के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा

गेल के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बीसी त्रिपाठी ने कहा कि भारत का गैस पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 50-55 प्रतिशत क्षमता पर संचालित होता है। उन्होंने कहा, "परिवहन क्षेत्र गैस की मांग का एक प्रमुख क्षेत्र हो सकता है, जो डीजल के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा।" ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजर्षि गुप्ता ने कहा कि गैस स्रोत के विभिन्न और नवीन मॉडलों पर चर्चा जारी है। ओएनजीसी की योजना हेनरी हब और कच्चे तेल पर आधारित एलएनजी के संयोजन से विभिन्न स्रोतों से लगभग 50 लाख टन एलएनजी प्राप्त करने की है।

भारत में फरवरी 2025 तक 56.75 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए- केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को तेजी से अपनाया जा रहा है और फरवरी 2025 तक 56.75 लाख ईवी पंजीकृत हो चुके हैं। यह जानकारी सरकारी डेटा में दी गई है।डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 25 में देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 11.49 लाख यूनिट्स रही थी, जो कि पिछले वित्त वर्ष के आंकड़े 9.48 लाख यूनिट्स से 21 प्रतिशत अधिक थी।

सरकार ने भी 2030 तक कुल वाहनों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है

यह आंकड़े बताते हैं कि लोग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। सरकार ने भी 2030 तक कुल वाहनों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। सरकार ईवी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिसमें हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और निर्माण (फेम-2), पीएम ई-ड्राइव, प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम, पीएम ई-बस सेवा शामिल हैं।

फेम-2 की सफलता को देखते हुए सरकार ने फेम-3 स्कीम को शुरू किया है, जिसके तहत 16,29,600 ईवी वाहनों को सपोर्ट किया जा रहा है

फेम-2 की सफलता को देखते हुए सरकार ने फेम-3 स्कीम को शुरू किया है, जिसके तहत 16,29,600 ईवी वाहनों को सपोर्ट किया जा रहा है, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया वाहन और बस शामिल हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए, भारी उद्योग मंत्रालय ने मार्च 2023 में तीन तेल कंपनियों – इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन – को पूरे भारत में अपने ईंधन आउटलेट पर 7,432 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 800 करोड़ रुपए मंजूर किए थे।

मार्च 2024 में, 980 चार्जिंग स्टेशनों को अपग्रेड करने के लिए अतिरिक्त 73.50 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे

मार्च 2024 में, 980 चार्जिंग स्टेशनों को अपग्रेड करने के लिए अतिरिक्त 73.50 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे। 9,332 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पीसीएस की स्थापना के लिए कुल 912.50 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसके तहत 30 जून, 2025 तक 8,885 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पीसीएस स्थापित किए जा चुके हैं, जो देश के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रक्षा मंत्रालय और क्यूसीआई के बीच समझौता

-पूर्व सैनिकों की सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय के अधीन डिपार्टमेंट ऑफ एक्स-सर्विसमेन वेलफेयर (DESW) ने मंगलवार को क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य देश के 63 लाख से अधिक पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पुनर्वास और कल्याण योजनाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराना है।

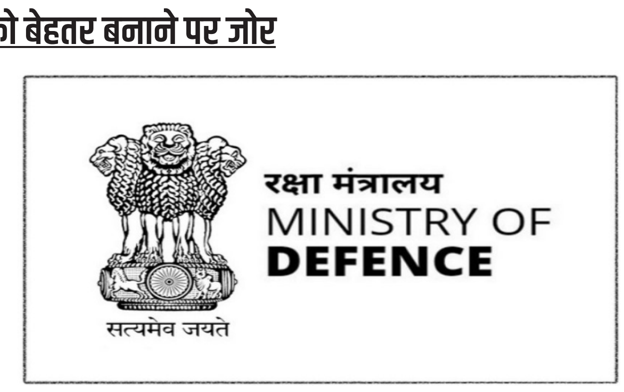

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस समझौते के तहत QCI, DESW को डिजिटल मूल्यांकन, प्रभाव आकलन और प्रमाण-आधारित नीतिगत सुझाव देने में मदद करेगा। इसके बदले DESW, QCI को जरूरी डेटा एक्सेस उपलब्ध कराएगा और राज्य सरकारों, जिला सैनिक बोर्डों, सशस्त्र बल मुख्यालयों और मान्यता प्राप्त अस्पतालों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करेगा।

इस पहल से न केवल पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता मजबूत होगी, साथ ही उनके पुनर्नियोजन और उद्यमिता के अवसरों में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा राज्य और जिला सैनिक बोर्डों की संस्थागत संरचना को और अधिक सशक्त किया जाएगा।

समझौते के दौरान DESW के सचिव नितेन चंद्रा ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और सोशल मीडिया की मदद से सेवाओं की पहुंच को बढ़ाना और उन्हें ज्यादा प्रभावी बनाना संभव होगा। उन्होंने बताया कि QCI के सहयोग से प्रभावी निगरानी और योजनाओं में साक्ष्य-आधारित सुधार किए जा सकेंगे। इस अवसर पर एक्स-सर्विसमेन कॉन्ट्रिब्यूटरी हेल्थ स्कीम केंद्रीय सैनिक बोर्ड, सेवा मुख्यालय, नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स और QCI के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

कागजी साबित हो रही बाघों की निगरानी और संरक्षण व्यवस्था

बाघ भारत की पहचान माने जाते हैं। इन्हें जंगल का राजा कहा जाता है और इनकी मौजूदगी किसी भी जंगल की सेहत और संतुलन को दर्शाती है। सरकार और वन विभाग द्वारा बाघों के संरक्षण और निगरानी के नाम पर हर साल भारी-भरकम बजट खर्च किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह निगरानी ज़्यादातर कागजों तक ही सीमित रह गई है। रिपोर्टों और दस्तावेज़ों में भले ही आंकड़े बेहतर दिखते हों, मगर बाघों के लापता होने, शिकारियों के हमले और अज्ञात कारणों से लगातार हो रही मौतें इस पर बड़ा सवाल खड़ा करती हैं। पिछले एक दशक में यह जरूर माना जा सकता है कि बाघों की संख्या में इज़ाफा हुआ है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में बाघों की गिनती बढ़ी है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की उपलब्धि के तौर पर पेश की जाती है। लेकिन दूसरी तरफ हालात यह हैं कि आए दिन बाघों के लापता होने और मौत की खबरें सामने आती रहती हैं। केवल राजस्थान में ही पिछले कुछ समय में 13 बाघों के लापता होने की पुष्टि की गई है। मध्यप्रदेश में पिछले आठ महीनों में ही 40 से अधिक बाघ शावकों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं और इनकी जांच अब भी जारी है। महाराष्ट्र में 30, असम में 12 और पूरे देश में अब तक 115 बाघों की मौत दर्ज की जा चुकी है। यह संख्या किसी भी लिहाज़ से कम नहीं है और यह दर्शाती है कि जमीनी स्तर पर संरक्षण और निगरानी की व्यवस्था कितनी लचर साबित हो रही है। बीते दिनों मध्यप्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में तवा नदी के किनारे एक बाघ का शव मिला। जांच में पाया गया कि उसके पंजे काटे गए थे। यह सीधा संकेत है कि शिकारियों का गिरोह कितनी सक्रियता से काम कर रहा है और वन विभाग के दावों के बावजूद वे कितनी आसानी से अपनी करतूतों को अंजाम दे रहे हैं। इससे पहले भोपाल के पास केरवा और कोलार के जंगलों से एक बाघ शहर के करीब निकल आया था और सड़क के किनारे देखा गया। यह घटना इस ओर इशारा करती है कि जंगलों में बाघ सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे और शिकारियों से बचने के लिए वे आबादी वाले इलाकों की तरफ आने को मजबूर हैं। बाघों के लापता होने का एक बड़ा कारण वन विभाग द्वारा उनका क्षेत्र बदलना भी माना जा रहा है। कई बार विभाग बाघों को एक इलाके से दूसरे इलाके में स्थानांतरित करता है ताकि वहां उनकी संख्या संतुलित रखी जा सके। लेकिन इस प्रक्रिया में निगरानी और सुरक्षा की लापरवाही से बाघ गायब हो जाते हैं और कई बार उनकी मौत की खबर मिलती है। इसके अलावा बढ़ती मानव बस्तियां, अवैध खनन और जंगलों का लगातार सिमटना भी बाघों को मजबूर करता है कि वे सुरक्षित जगह की तलाश में अपने प्राकृतिक आवास से दूर निकल पड़ें। शिकारियों का डर बाघों के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। आधुनिक हथियारों और गिरोहबद्ध नेटवर्क के चलते शिकारी आसानी से जंगलों तक पहुंच जाते हैं और बाघों को निशाना बना लेते हैं। सरकार और विभाग चाहे कितने भी कैमरा ट्रैप, ड्रोन निगरानी और गश्त की बातें कर ले, हकीकत यह है कि बाघों की सुरक्षा पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो पा रहा।

भू-राजनीति : पूरे हिंद महासागर में चीन जिस रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है उससे भारत को रहना होगा सतर्क

-चीन की समुद्री सोच: मैरिटाइम सिल्क रूट और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव

हिंद महासागर (Indian Ocean) आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे अहम समुद्री क्षेत्र बन चुका है। यह समुद्री मार्ग न केवल एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ता है बल्कि दुनिया के लगभग 60% ऊर्जा व्यापार का मुख्य रास्ता भी है। तेल, गैस और खनिज संसाधनों से लदे जहाज़ इन्हीं मार्गों से होकर गुजरते हैं। यही कारण है कि इस समुद्र पर नियंत्रण या प्रभाव जमाना किसी भी महाशक्ति के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन, जो पिछले तीन दशकों में आर्थिक ताक़त से वैश्विक शक्ति बनने की राह पर है, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR – Indian Ocean Region) को अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों के लिए निर्णायक मानता है। उसकी कोशिश है कि वह न सिर्फ अपने ऊर्जा आपूर्ति मार्गों को सुरक्षित बनाए बल्कि एशिया-अफ्रीका के बीच अपने व्यापारिक साम्राज्य को भी स्थायी आधार दे। भारत, जो भौगोलिक रूप से इस महासागर का "स्वाभाविक संरक्षक" माना जाता है, चीन की इस सक्रियता से सीधे प्रभावित होता है।

चीन की समुद्री सोच और "मैरिटाइम सिल्क रूट"

चीन ने 2013 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहल पर "बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)" की घोषणा की थी। इसके दो हिस्से हैं: सिल्क रोड इकनॉमिक बेल्ट (भूमि आधारित), 21वीं सदी का मैरिटाइम सिल्क रोड (समुद्री मार्ग) हिंद महासागर मैरिटाइम सिल्क रोड का मूल केंद्र है। चीन इस क्षेत्र में अपने लिए सुरक्षित बंदरगाह, व्यापारिक गलियारे और नौसैनिक ठिकाने स्थापित करना चाहता है। इस नीति के तहत वह श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट, पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट, म्यांमार के क्यौकप्यू पोर्ट, मालदीव और अफ्रीका के जिबूती तक अपनी पहुँच बना चुका है। इन ठिकानों को मिलाकर अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक इसे "String of Pearls" (मोतियों की माला) रणनीति कहते हैं।

बीजिंग-इस्लामाबाद बंधन:"ऑल वेदर फ्रेंडशिप"

पाकिस्तान और चीन के रिश्ते दशकों पुराने हैं। पाकिस्तान खुद को चीन का "ऑल वेदर फ्रेंड" कहता है। CPEC (China-Pakistan Economic Corridor) : चीन ने अरबों डॉलर का निवेश पाकिस्तान में किया है। ग्वादर पोर्ट को विकसित कर चीन ने अरब सागर तक सीधा रास्ता पा लिया है। रक्षा सहयोग : चीन पाकिस्तान को लड़ाकू विमान (JF-17), ड्रोन, पनडुब्बियाँ और मिसाइल तकनीक दे रहा है। वित्तीय मदद : आर्थिक संकट में डूबे पाकिस्तान को चीन बार-बार बेलआउट पैकेज देता रहा है। बीजिंग-इस्लामाबाद का यह बंधन न केवल भारत की पश्चिमी सीमा पर दबाव बनाता है बल्कि चीन को हिंद महासागर में सीधी पहुँच भी देता है।

बांग्लादेश की बदलती रणनीति: हेजिंग की राजनीति

ढाका की स्थिति थोड़ी जटिल है। बांग्लादेश भारत का पारंपरिक सहयोगी रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में उसने चीन के साथ नज़दीकी बढ़ाई है। चीन ने बांग्लादेश को भारी इंफ्रास्ट्रक्चर लोन और परियोजनाएँ दी हैं। ढाका चीनी निवेश से आर्थिक लाभ उठाना चाहता है, लेकिन साथ ही वह पूरी तरह चीन के पाले में जाने से बचने की कोशिश करता है। इसे रणनीति की भाषा में "हेजिंग" कहा जाता है, यानी दोनों शक्तियों के बीच संतुलन साधना। हालांकि, चीन-बांग्लादेश रिश्तों की गहराई भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि इससे चीन को बंगाल की खाड़ी में अधिक पकड़ मिल सकती है।

अफग़ानिस्तान और काबुल कनेक्शन

अफ़ग़ानिस्तान, जो ऐतिहासिक रूप से मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के बीच का दरवाज़ा है, चीन की नजरों में खास अहमियत रखता है। तालिबान सरकार के साथ चीन ने आर्थिक और खनिज समझौते किए हैं। चीन को अफ़ग़ानिस्तान के लिथियम, तांबे और खनिज भंडार में दिलचस्पी है। काबुल से लेकर ग्वादर तक का क्षेत्र चीन के लिए "नॉर्थ-साउथ कनेक्टिविटी" का हिस्सा है। यदि पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान-चीन का गठजोड़ गहराता है तो भारत के लिए मध्य एशिया तक की पहुँच मुश्किल हो सकती है।

नेपाल, मालदीव और अन्य पड़ोसी

नेपाल

नेपाल ने भी चीन से बड़े पैमाने पर आर्थिक मदद ली है। कई हाईवे, डैम और रेलवे प्रोजेक्ट चीन की फंडिंग से चल रहे हैं। राजनीतिक अस्थिरता के दौर में नेपाल ने भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन धीरे-धीरे चीन की पकड़ बढ़ती जा रही है।

मालदीव

हिंद महासागर में रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम मालदीव भी अब चीन की "रेडार" पर है। 2018 तक चीन ने मालदीव में बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए। 2023 के बाद नई सरकार ने चीन से नज़दीकी बढ़ाई।

यह भारत के लिए सीधे सामरिक चुनौती है क्योंकि मालदीव भारत के दक्षिण में नौसैनिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण बिंदु है।

हिंद महासागर: वैश्विक शक्ति संघर्ष का मंच

हिंद महासागर केवल एशियाई ताक़तों का ही नहीं बल्कि अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का भी केंद्र है। अमेरिका ने डिएगो गार्सिया बेस बनाया हुआ है। फ्रांस, ब्रिटेन की भी समुद्री मौजूदगी है। ऑस्ट्रेलिया "इंडो-पैसिफिक" सुरक्षा रणनीति में सक्रिय है। इस पृष्ठभूमि में चीन की बढ़ती मौजूदगी एक नया शक्ति संतुलन पैदा कर रही है।

भारत की भूमिका और चुनौतियाँ

भारत खुद को हिंद महासागर का स्वाभाविक प्रहरी मानता है। परन्तु चीन की तेज़ सक्रियता भारत की सामरिक व आर्थिक स्थिति को चुनौती दे रही है।

मुख्य चुनौतियाँ

पड़ोसी देशों में चीन का प्रभाव – पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव में चीन का गहराता दख़ल। चीन की नौसैनिक ताक़त – चीन का नौसेना बेड़ा तेजी से बढ़ रहा है, उसकी पनडुब्बियाँ हिंद महासागर में दिखाई देती रहती हैं। आर्थिक दबाव – पड़ोसी देशों को चीन से मिलने वाले कर्ज़ और प्रोजेक्ट उन्हें बीजिंग की ओर झुका रहे हैं। क्षेत्रीय कूटनीति – दक्षिण एशिया में भारत की पारंपरिक नेतृत्व भूमिका को चीन चुनौती दे रहा है।

भारत के लिए रणनीतिक विकल्प

भारत को सतर्क और सक्रिय रहना होगा। इसके लिए कुछ प्रमुख रणनीतियाँ अपनानी होंगी: पड़ोसी देशों से भरोसेमंद रिश्ते

बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ संबंध मजबूत करना। आर्थिक सहयोग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में भारत को आगे रहना होगा।

इंडो-पैसिफिक गठजोड़

अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ "क्वाड" (QUAD) को मज़बूत करना। हिंद महासागर रिम देशों के साथ साझेदारी बढ़ाना। नौसैनिक शक्ति का विस्तार भारतीय नौसेना को और आधुनिक बनाना। अंडमान-निकोबार जैसे रणनीतिक ठिकानों का उपयोग बढ़ाना।

आर्थिक और तकनीकी ताक़त

पड़ोसियों को वैकल्पिक आर्थिक मॉडल देना। डिजिटल, ऊर्जा और इंफ्रा क्षेत्र में साझेदारी। बहुपक्षीय मंचों पर सक्रियता BIMSTEC, IORA जैसे क्षेत्रीय संगठनों में भारत की भूमिका को मजबूत करना।

बीजिंग-इस्लामाबाद-ढाका त्रिकोण: भारत पर असर

यदि चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश का त्रिकोण बनता है, तो भारत पूर्व से पश्चिम तक दबाव में आ जाएगा। पश्चिम में ग्वादर पोर्ट, पूर्व में बंगाल की खाड़ी, बीच में नेपाल और मालदीव। यह भारत के लिए सामरिक "एन्क्लोज़मेंट" यानी घेराबंदी की स्थिति पैदा कर सकता है। चीन का हिंद महासागर में विस्तार केवल बंदरगाहों या गलियारों तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक भू-राजनीतिक रणनीति है जो एशिया और इंडो-पैसिफिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती है। भारत के लिए ज़रूरी है कि वह अपने पड़ोसियों के साथ भरोसेमंद साझेदारी बनाए, इंडो-पैसिफिक गठबंधनों को मज़बूत करे और अपनी नौसैनिक व आर्थिक ताक़त को और बढ़ाए। हिंद महासागर की भू-राजनीति आने वाले दशकों में तय करेगी कि एशिया में असली नेतृत्व किसके पास होगा। चीन का विस्तारवाद छिपा नहीं है, परंतु भारत यदि दूरदर्शिता, सक्रिय कूटनीति और संतुलित सामरिक नीति अपनाए तो वह न केवल इस चुनौती का सामना कर सकता है बल्कि हिंद महासागर को शांति, सहयोग और विकास का समुद्र बना सकता है।

दृष्टिकोण: आज आवश्यकता है तकनीक के साथ विवेकपूर्ण संतुलन बनाए रखने की

-तकनीक का ट्रिगर: बढ़ता किशोर मन का असंतुलन

आज के दौर में तकनीक ने हमारे जीवन को बेहद सुविधाजनक और तेज़ बना दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और वीडियो गेम जैसे उपकरण बच्चों और युवाओं के लिए मनोरंजन और जानकारी के नए द्वार खोल रहे हैं। लेकिन साथ ही, यह उपकरण किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा भी बनते जा रहे हैं। किशोरावस्था मनोवैज्ञानिक और सामाजिक रूप से संवेदनशील अवस्था होती है। इस समय बच्चा अपने व्यक्तित्व, सामाजिक पहचान और भावनात्मक संतुलन को ढाल रहा होता है। यदि इस उम्र में तकनीक का उपयोग विवेकपूर्ण रूप से न हो, तो यह गुस्सा, चिड़चिड़ापन, आक्रामकता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। अमरीका की ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के अनुसार, जो बच्चे 12 वर्ष से पहले स्मार्टफोन के संपर्क में आए, उनमें 38% में अचानक गुस्से या आक्रामकता, 49% में सामाजिक अलगाव और अकेलापन, तथा 17% में भ्रम और मानसिक अस्थिरता जैसी लक्षण देखे गए। बेंगलुरु स्थित निम्हांस की एक रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कई किशोरों को इंटरनेट स्लो होने पर अत्यधिक गुस्सा आता है। यह संकेत करता है कि तकनीक की लत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मानसिक असंतुलन का ट्रिगर भी बन सकती है।

किशोर और तकनीकी लत: बढ़ती चुनौती

किशोर मन की एक विशेषता है – संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाशीलता। वे अपनी भावनाओं और सोच में अत्यधिक बदलावशील होते हैं। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने उनके जीवन में तत्काल संतुष्टि का माध्यम ला दिया है। सोशल मीडिया पर 'लाइक' या गेम में उच्च स्कोर जैसी चीजें उन्हें तुरंत खुशी या असंतोष की अनुभूति कराती हैं। लेकिन जब ये अपेक्षाएँ पूरी नहीं होतीं, तो परिणामस्वरूप गुस्सा, चिड़चिड़ापन, आत्मसम्मान में कमी और सामाजिक अलगाव जैसी मानसिक समस्याएँ उभरती हैं। इंटरनेट स्लो होने या फोन की बैटरी खत्म होने जैसी मामूली बात भी किशोर के मन में तनाव और आक्रामकता पैदा कर सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया की अत्यधिक खपत वाले किशोरों में ध्यान की कमी, नींद की समस्या और अवसाद की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने से उनके सामाजिक कौशल भी प्रभावित होते हैं। वे वास्तविक जीवन में दोस्त बनाने, बातचीत करने और सहयोग की भावना विकसित करने में कमजोर पड़ जाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

तकनीक का अत्यधिक और असंतुलित उपयोग किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर कई तरह से असर डालता है: गुस्सा और आक्रामकता: इंटरनेट स्लो होने, गेम हार जाने या सोशल मीडिया पर अप्रत्याशित प्रतिक्रिया मिलने पर किशोरों में तीव्र गुस्सा और आक्रामक व्यवहार देखा जाता है। सामाजिक अलगाव: स्क्रीन पर बिताया गया समय वास्तविक जीवन के सामाजिक संबंधों की जगह ले लेता है। बच्चे दोस्तों और परिवार के साथ समय कम बिताते हैं, जिससे अकेलापन और सामाजिक अलगाव बढ़ता है। भावनात्मक अस्थिरता: तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से बच्चों की भावनाओं का संतुलन बिगड़ता है। वे छोटी-छोटी बातों पर अत्यधिक उत्तेजित हो जाते हैं। स्नायु और नींद की समस्या: देर रात तक स्मार्टफोन और लैपटॉप का उपयोग नींद के पैटर्न को बिगाड़ देता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। अवसाद और चिंता: सोशल मीडिया पर दूसरों की तुलना करने की आदत बच्चों में आत्मसम्मान में कमी और अवसाद की समस्या पैदा कर सकती है।

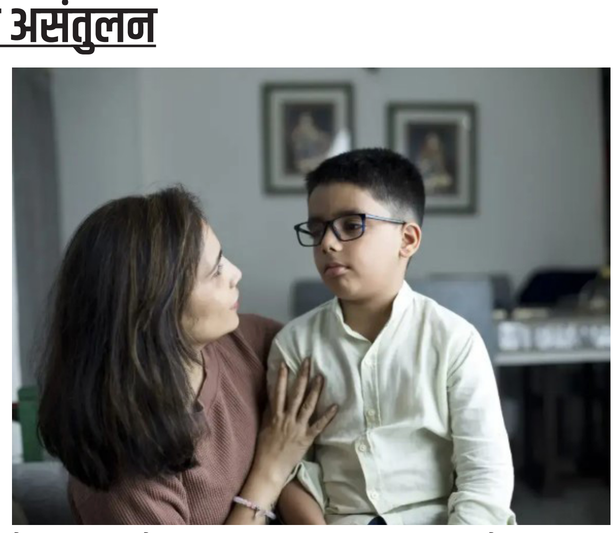

तकनीक की आवश्यकता बनाम विवेकपूर्ण उपयोग

तकनीक आज की दुनिया में आवश्यक है। यह शिक्षा, सूचना, मनोरंजन और सामाजिक जुड़ाव का साधन है। समस्या तब शुरू होती है जब उपयोग की सीमा और उद्देश्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

विवेकपूर्ण उपयोग का अर्थ है:

समय का नियंत्रण: किशोरों को दिन में स्क्रीन टाइम की सीमा तय करनी चाहिए। उपयोग का उद्देश्य: केवल मनोरंजन के लिए तकनीक का उपयोग सीमित रखना चाहिए, अध्ययन और रचनात्मक गतिविधियों में इसे शामिल करना चाहिए। सक्रिय सहभागिता: सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के बजाय, वास्तविक जीवन के सामाजिक और शैक्षणिक अनुभवों में समय बिताना चाहिए।

माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका

किशोर मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित बनाए रखने में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें चाहिए कि वे: सहज संवाद बनाएं: किशोरों के साथ तकनीक के उपयोग, सोशल मीडिया और गेमिंग के बारे में खुलकर बात करें। स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करें: खेल, योग, कला और संगीत जैसी गतिविधियों में बच्चों को संलग्न करें। सकारात्मक मॉनिटरिंग: तकनीक के उपयोग पर नियंत्रण रखें, लेकिन ऐसा करें कि बच्चे पर दबाव महसूस न हो। मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी दें: बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन की मूल बातें सिखाएं।

समाधान और उपाय

तकनीक के संतुलित उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए कुछ व्यवहारिक कदम उठाए जा सकते हैं: डिजिटल डिटॉक्स: सप्ताह में कुछ घंटे तकनीक से दूर रहकर बच्चों को प्राकृतिक गतिविधियों, खेल-कूद और परिवार के साथ समय बिताने को प्रेरित करें। शारीरिक गतिविधियाँ: खेल, योग, दौड़, साइकिलिंग जैसी गतिविधियाँ तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में मदद करती हैं। सकारात्मक ऑनलाइन अनुभव: बच्चों को रचनात्मक और ज्ञानवर्धक ऑनलाइन सामग्री की ओर आकर्षित करें। नींद और आहार का ध्यान: पर्याप्त नींद और संतुलित आहार मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। सामाजिक कौशल का विकास: किशोरों को समूह गतिविधियों, सामाजिक सेवा और टीम वर्क में शामिल करें।

उमर फरीद खान (सिपाही): 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का वीर योद्धा

-1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

उमर फरीद खान का जन्म 19वीं सदी के मध्य भारत में हुआ था। उनका परिवार सामान्य सिपाहियों का था, लेकिन उनमें शुरू से ही देशभक्ति और स्वतंत्रता की भावना प्रबल थी। उस समय भारत अंग्रेज़ों की अधीनता में था, और उनके जीवन का हर क्षेत्र अंग्रेज़ी शासन के प्रभाव में था। उमर फरीद खान ने बचपन से ही देखा कि किस तरह स्थानीय लोगों की आज़ादी और उनके अधिकारों को अंग्रेज़ी हुकूमत दबाती थी। यही अनुभव उनके मन में विद्रोह की चिंगारी बन गया। उनकी शिक्षा पारंपरिक तौर पर गाँव और धर्मशाला में हुई। उन्होंने सिखाई गई सामान्य पढ़ाई के साथ-साथ अपने समाज और देश के इतिहास के बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया। यह ज्ञान उनके भविष्य के संघर्ष में एक मजबूत आधार बना।

सिपाही के रूप में शुरुआत

उमर फरीद खान ने ब्रिटिश सेना में सिपाही के रूप में सेवा शुरू की। इस दौरान उन्होंने अंग्रेज़ी सैन्य प्रणाली, उनके हथियारों और रणनीतियों का गहन अध्ययन किया। उन्हें यह एहसास हो गया कि अंग्रेज़ों की ताकत केवल हथियारों में नहीं, बल्कि उनकी संगठनात्मक क्षमता और अनुशासन में भी है। हालांकि, उनके मन में हमेशा यह विचार रहता था कि भारतीयों की स्वतंत्रता के लिए इस व्यवस्था को चुनौती देना आवश्यक है। उन्होंने अपने साथी सिपाहियों के बीच देशभक्ति की भावना फैलानी शुरू की। यह उनके नेतृत्व और सामूहिक संगठित विद्रोह की नींव बन गई।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

1857 का वर्ष भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ था। पूरे देश में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की आग भड़की। इस समय उमर फरीद खान ने सक्रिय भूमिका निभाई। वे न केवल स्थानीय सिपाहियों को संगठित करने में सफल रहे, बल्कि आम जनता को भी विद्रोह में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

स्थानीय विद्रोहों का नेतृत्व

उमर फरीद खान ने अपने क्षेत्र में कई छोटे-बड़े विद्रोहों का नेतृत्व किया। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को अंग्रेज़ों के अत्याचारों के खिलाफ संगठित किया। उनके नेतृत्व में सिपाही और ग्रामीण मिलकर अंग्रेज़ी प्रशासन और उनके दलालों के खिलाफ लड़ते। उनके रणनीतियों में न केवल प्रत्यक्ष संघर्ष शामिल था, बल्कि गुप्त योजना और संचालन भी। वे स्थानीय परिस्थितियों और जनसँख्या के अनुसार लड़ाई की रणनीति तैयार करते थे। उनके नेतृत्व में कई अंग्रेज़ी पोस्ट और चौकियों पर हमला किया गया, जिससे ब्रिटिश शासन को भारी नुकसान हुआ।

साहस और बलिदान

उमर फरीद खान का साहस उनके जीवन का प्रमुख हिस्सा था। उन्होंने कभी भी डर को अपने कार्य में बाधक नहीं बनने दिया। अनेक बार वे अकेले ही अंग्रेज़ों की चेकपोस्ट पर छापे मारते और लोगों को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित करते। उनकी इस वीरता ने स्थानीय जनता में आशा की नई किरण जलाई। लोग उनके नेतृत्व में विद्रोह में शामिल होने लगे। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि उमर फरीद खान ने अपने साहस और रणनीतिक कौशल से ब्रिटिश शासन के लिए मुश्किलें बढ़ा दी थीं।

संघर्ष की रणनीति और नेतृत्व कौशल

उमर फरीद खान केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि कुशल रणनीतिकार भी थे। उन्होंने विद्रोह को सफल बनाने के लिए कई रणनीतियाँ अपनाईं। इनमें शामिल हैं: सैन्य और ग्रामीण सहयोग: उन्होंने अपने सिपाही साथियों और स्थानीय ग्रामीणों को एकजुट किया। गुप्त योजना: कई हमलों को छिपकर अंजाम दिया गया, जिससे अंग्रेज़ों को तैयारी का समय नहीं मिला। सूचना नेटवर्क: उन्होंने गाँव-गाँव में संदेशवाहक नियुक्त किए, जो विद्रोह की जानकारी एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाते। लोकप्रिय समर्थन: उन्होंने जनता को यह विश्वास दिलाया कि अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ाई केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। इन रणनीतियों के कारण उनके नेतृत्व में विद्रोह अधिक संगठित और प्रभावी रहा।

अंग्रेज़ों के खिलाफ संघर्ष

उमर फरीद खान ने ब्रिटिश अधिकारियों और उनके सैनिकों के खिलाफ कई साहसिक हमले किए। उनके कार्यों से अंग्रेज़ों में भय व्याप्त हो गया। वे बार-बार उनके अड्डों पर छापे मारते, आपूर्ति को बाधित करते और स्थानीय समर्थन को अपनी ओर आकर्षित करते। अंग्रेज़ों ने कई बार उन्हें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उनकी चतुराई और स्थानीय समर्थन के कारण वे बचते रहे। उनकी वीरता की कहानियाँ गाँव-गाँव में फैल गईं। यह केवल युद्ध कौशल नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी था, जिसने ब्रिटिश सैनिकों की हिम्मत तोड़ने का काम किया।

व्यक्तिगत जीवन और मूल्य

उमर फरीद खान का जीवन केवल युद्ध और विद्रोह तक सीमित नहीं था। वे धार्मिक और नैतिक मूल्यों के प्रति भी प्रतिबद्ध थे। उनका विश्वास था कि स्वतंत्रता केवल शस्त्र से नहीं, बल्कि सही विचार और नैतिक बल से भी हासिल की जा सकती है। वे अपने साथियों में न्याय और समानता की भावना फैलाते थे। उनके अनुसार, स्वतंत्रता का संघर्ष तभी सार्थक है जब यह समाज के सभी वर्गों के लिए हो। यही दृष्टिकोण उनके नेतृत्व को और भी प्रभावशाली बनाता था।

शहादत और विरासत

1857 के संग्राम में उमर फरीद खान ने अनेक बार अपने प्राणों की बाजी लगाई। अंततः, अंग्रेज़ों ने उनकी पकड़ की और उन्हें शहीद कर दिया। उनकी शहादत ने केवल उनके क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में स्वतंत्रता की भावना को और मजबूत किया। उनकी वीरता और बलिदान आज भी इतिहास में अमर हैं। उन्होंने यह साबित किया कि स्वतंत्रता की लड़ाई केवल सैनिक शक्ति पर नहीं, बल्कि संगठन, साहस और जनसँख्या के समर्थन पर निर्भर करती है।

इतिहास में महत्व

उमर फरीद खान का योगदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अत्यंत महत्वपूर्ण था। उन्होंने यह दिखाया कि स्थानीय स्तर पर संगठित विद्रोह ब्रिटिश शासन को चुनौती दे सकता है। उनके नेतृत्व में हुए संघर्ष ने आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। आज भी उनके कार्यों का स्मरण उनके क्षेत्र में किया जाता है। उनकी वीरता और बलिदान उन तमाम स्वतंत्रता सेनानियों के बीच विशेष स्थान रखते हैं, जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की आज़ादी के लिए लड़ाई लड़ी। उमर फरीद खान (सिपाही) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महान नायक थे। उनका जीवन देशभक्ति, साहस और बलिदान का प्रतीक है। 1857 के विद्रोह में उनके नेतृत्व, रणनीति और साहस ने न केवल अंग्रेज़ों को चुनौती दी, बल्कि जनता में स्वतंत्रता की भावना को भी प्रज्वलित किया। उनकी कहानी यह सिखाती है कि स्वतंत्रता केवल शस्त्र से नहीं, बल्कि साहस, संगठन और नैतिक बल से भी हासिल की जा सकती है। उमर फरीद खान की वीरता और बलिदान हमेशा याद किए जाएंगे, और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उमर फरीद खान 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के उन सिपाहियों में से थे जिन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ निर्णायक विद्रोह में अहम भूमिका निभाई। उनका जन्म 19वीं सदी के मध्य हुआ और बचपन से ही उन्होंने अंग्रेज़ों के अन्याय और अत्याचार देखे। यही अनुभव उनके भीतर आज़ादी की लौ जलाता रहा। । उन्होंने ब्रिटिश सेना में सिपाही बनकर सेवा की और वहीं अंग्रेज़ों की सैन्य रणनीति व हथियारों को करीब से समझा। लेकिन उनके दिल में हमेशा मातृभूमि की मुक्ति का सपना था। 1857 का संग्राम शुरू होते ही उन्होंने साथी सिपाहियों और ग्रामीण जनता को एकजुट कर विद्रोह का नेतृत्व किया।

शैल्बी हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट में रीनल केयर का हुआ सफल उपयोग

आशा पटेल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में चित्रकूट स्थित शैल्बी हॉस्पिटल में एक और चिकित्सकीय उपलब्धि दर्ज करते हुए सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट का ऑपरेशन किया गया। दरअसल शैल्बी हॉस्पिटल का नाम अपने नी रिप्लेसमेंट के लिए आम जन में अब तक बहु प्रचारित रहा है। किन्तु अब शैल्बी हॉस्पिटल ने किडनी ट्रांसप्लांट की भी सफल शुरुआत कर दी है। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों ने न केवल इस ट्रांसप्लांट प्रक्रिया की सफलता पर प्रकाश डाला, बल्कि अस्पताल की Comprehensive Department of Renal Sciences की आधुनिकतम सुविधाओं और विशेषज्ञता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्रेस को संबोधित करते हुए शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ डॉक्टर्स-

-डॉ. संजय बिनवाल - वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन

-डॉ. सुभाष कटारिया - यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन

-डॉ. कविश शर्मा - नेफ्रोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट फिज़ीशियन ने उपस्थित रह कर मीडिया के प्रश्नों का जवाब दिया।

सफल ट्रांसप्लांट का उत्कृष्ट समन्वय और उन्नत तकनीक का परिणाम

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि यह किडनी ट्रांसप्लांट एक अत्यंत जटिल लेकिन सफलतापूर्वक संपन्न की गई सर्जरी थी, जिसे शैल्बी हॉस्पिटल की अनुभवी मेडिकल टीम ने अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से अंजाम दिया। दरअसल रोगी अलवर निवासी 31वर्षीय युनुस खान जिसने ऑपरेशन करवाया था अब पूर्णतः स्वस्थ हैं और रिकवरी की ओर अग्रसर हैं। उन्हें उनके 55 वर्षीय पिता ने अपनी किडनी डोनेट की है। इस अवसर पर दोनों ने भी प्रेस के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन चिरंजीव योजना के तहत हुआ है। अन्यथा रोगी को 60 हजार की राशि का भुगतान करना पड़ता। इस अवसर पर डॉ. संजय बिनवाल एवं डॉ. सुभाष कटारिया ने बताया कि शैल्बी हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट की संपूर्ण प्रक्रिया रोगी की जांच, डोनर का मूल्यांकन, सर्जरी, पोस्ट-ऑपरेटिव केयर सभी एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं, जो इसे एक संपूर्ण रीनल केयर सेंटर बनाता है। इस अवसर पर डॉ. कविश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर की Comprehensive Department of Renal Sciences में किडनी संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों जैसे क्रॉनिक किडनी डिज़ीज़, डायलिसिस, एक्यूट किडनी फेल्योर, हाइपरटेंशन से जुड़ी जटिलताएं आदि का सम्पूर्ण और आधुनिक इलाज उपलब्ध है। यह विभाग सभी ज़रूरी विशेषज्ञताओं नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, ट्रांसप्लांट सर्जरी, क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, डाइट और रिहैबिलिटेशन के समन्वय से रोगियों को बहु-आयामी इलाज प्रदान करता है। शैल्बी हॉस्पिटल की ट्रांसप्लांट यूनिट की मेडिकल टीम नेशनल ट्रांसप्लांट गाइडलाइन्स का पूर्ण पालन करते हुए सेवाएं प्रदान करती है। अस्पताल का उद्देश्य रोगी केंद्रित सेवा एवं मेडिकल उत्कृष्टता रहा है। अंकित पारीक, सीएओ - शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर ने बताया की शैल्बी का उद्देश्य न केवल जटिल बीमारियों का सफल उपचार करना है, बल्कि रोगियों को बेहतर जीवन प्रदान करना भी है। क्वालिटी हेल्थकेयर विद ह्मन टच की सोच के साथ शैल्बी हॉस्पिटल यह सुनिश्चित करता है कि हर रोगी को वैज्ञानिक, नैतिक और संवेदनशील इलाज मिले। विशाल शर्मा, डिप्टी सीएओ - शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर ने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शैल्बी हॉस्पिटल यह संदेश देना चाहता है कि अब राजस्थान और इसके आस-पास के क्षेत्रों के मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट या रीनल से जुड़ी जटिल चिकित्सा सेवाओं के लिए देश के बड़े शहरों की ओर देखने की आवश्यकता नहीं है। जयपुर में ही अब विश्वस्तरीय इलाज उपलब्ध है।

विश्नोई समाज का पेड़ों एवं वन्यजीवों के प्रति अनूठा जज्बा हम सबके लिए प्रेरणा- भजनलाल शर्मा

-हरियालो राजस्थान के तहत पिछले वर्ष 7.5 करोड़ एवं इस वर्ष लगभग 11 करोड़ पौधारोपण हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पेड़ों की रक्षा के लिए मां अमृता देवी सहित 363 लोगों ने बलिदान दिया। विश्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐसा त्याग कहीं और देखने को नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि खेजड़ी सिर्फ वृक्ष नहीं बल्कि औषधि भी है। कैर, सांगरी राजस्थान की पहचान है। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हरियालो राजस्थान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य तय किया है। इसी क्रम में पिछले वर्ष 7.5 करोड़ एवं इस वर्ष लगभग 11 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। साथ ही, वन मित्र भी बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारी सरकार ने नीतिगत निर्णय लिए हैं तथा आवश्यकता होने पर नियमों में उचित प्रावधान भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्नोई समाज ने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में सदैव आगे रहते हुए अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। हर समाज, हर वर्ग विश्नोई समाज से पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा लेता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी विकास के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण में विभिन्न अभियानों के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही है। शर्मा ने कहा कि हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति में वृक्ष, पहाड़ और नदियों की पूजा की जाती है। सभी आमजन के लिए पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, जिससे प्रकृति का संतुलन भी बना रहे। मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित इस संवाद में विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में पौधारोपण के लिए जापानी मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक अपनाने एवं विकास परियोजनाओं में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए विशेष प्रावधान करने के संबंध में सुझावपत्र दिए। विश्नोई समाज के प्रबुद्धजन एवं साधु-संतों ने प्रदेश में चलाए जा रहे हरियालो राजस्थान अभियान के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार भी व्यक्त किया।

29 अगस्त को राजकीय महाविद्यालय, बगरू में रोजगार सहायता शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 29 अगस्त को प्रातः 10 बजे से जयपुर जिले के बगरू स्थित राजकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर लगेगा। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित होने वाले इस शिविर में विनिर्माण, लॉजिस्टिक, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेन्टर, बीमा आदि क्षेत्रों की लगभग 50 कम्पनियां मौके पर युवा आशार्थियों का साक्षात्कार लेकर प्राथमिक चयन करेंगी। 10वीं, 12वीं, स्नातक व स्नातकोत्तर पास, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक आदि क्षेत्रों के रोजगार के इच्छुक बेरोजगार युवाओं के लिए इस रोजगार सहायता शिविर में रिक्तियाँ हैं। योग्यताधारी आशार्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल व छाया प्रति के साथ इस रोजगार मेले में आएं और इसका लाभ उठाये। रोजगार कार्यालय की उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया कि शिविर में विभिन्न सरकारी विभाग आशार्थियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देंगे। शिविर में पंजीयन के लिए एक क्यूआर कोड जारी किया गया है जो इस प्रेस विज्ञप्ति के साथ संलग्न है।

हिन्दुस्तान की सुंदरता की पूरी दुनिया कायल- कादरी

-सीरतुन्नबी पर होंगे विभिन्न आयोजन, मुख्य जुलूस 5 सितंबर को

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हिन्दस्तान गंगा-जमनी तहजीब का मुख्य केंद्र है। विश्व में यही एकमात्र ऐसा देश है जहां भगवा भी लहराया जाता है तो इस्लामी तहजीब के परचम भी फहराए जाते है। हिन्दस्तान की इसी सुंदरता की पूरी दुनिया कायल है। यह बात बुधवार को यहां सुन्नी दावत-ए-इस्लामी के संरक्षक मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी साहब ने कही। वे यहां पहाड़गंज स्थित हिरा इंगलिश सीनियर सैकंडरी स्कूल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व के 57 देशों में सीरतुन्नबी के आयोजन होते है और सरकारी अवकाश रहता है। हिन्दस्तान के हर शहर व कस्बे में भी इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

हजरत सैयद मोहम्मद कादरी ने कहा कि सीरते नबी हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जीवनी से लोगों को अवगत कराने को लेकर 1500वां जश्ने ईद मिलादुन्नबी बड़े पैमाने पर मनाया जा रहा है। 5 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद दोपहर 2.30 बजे से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों से जुलूस निकाले जाएंगे। मुफ्ती-ए-शहर जयपुर मुफ्ती अब्दुल सत्तार रिजवी साहब की सरपरस्ती में जुलूस घाटगेट से रवाना होगा और चार दरवाजा मौलाना जियाउद्दीन सर्किल पर सभी अकीदतमंद एकत्रित होंगे। इसके बाद जुलूस करबला की ओर रवाना होगा, जहां यह जलसे में परिवर्तित होकर सलातो सलाम और दुआ के साथ संपन्न होगा। हाजी नायाब खान ने बताया कि जुलूस के दौरान सभी अकीदतमंद पैदल मार्च करेंगे तथा किसी प्रकार के वाहनों पर नहीं चलेंगे। बताई गई गाइड लाइन का पूरा पालन किया जाएगा। इसी प्रकार वाहीद मेमोरियल वेलफेयर एंड रिलीफ सोसायटी की ओर से 30 अगस्त को रात 8:30 बजे बड़ी चौपड़ पर ऑल इंडिया नातिया मुशायरा होगा। इसका शुभारंभ मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी साहब की सरपरस्ती व मौलाना सैय्यद मुहम्मद कादरी साहब के सानिध्य में किया जाएगा। इस मौके पर शहर के औलमा, जिम्मेदार हजरात और वरिष्ठजन मौजूद रहेंगे। वहीं देशभर से आए शायर वासिफ फारुकी, रामप्रकाश बेखुद, उस्मान मिनाई, फैज खुमार, अनवर अमान, सलीम दरियापुरी आदि नात पाक पेश करेंगे।

आलमी मिलाद कॉन्फ्रेंस 4 सितंबर को कार्यक्रम संयोजक मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी के अनुसार 4 सितंबर को इशा की नमाज रात 9 बजे से फजर सुबह 6 बजे तक घाटगेट स्थित लोहारों का खुर्रा पर आलमी मिलाद कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी। जिसमें मुख्य अतिथि सैयद इमरान अली कादरी (गुजरात) होंगे। वहीं सैयद नूर मियां अशरफी (जोधपुर), कमाल अहमद अलिमी (यूपी) व अन्य इस्लामिक स्कॉलर कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे।

ये पदाधिकारी रहे उपस्थित-

बुधवार को यहां आयोजित कांफ्रेंस में अहतराम आलम, कारी जाहिद हुसैन नूरी, काजी वली मोहम्मद, कारी गुलाम मोहम्मद जहांगीरी, हाजी हसीन अहमद, हाजी हामिद बैग, शेख नासिरूद्दीन, कारी अकील अहमद, दानिश, हम्माद आदि उपस्थित रहे।

गणेश चतुर्थी पर्व पर सफाई व्यवस्थाओं के लिये नगर निगम ग्रेटर ने कसी कमर

-QRT (क्विक रेस्पॉस टीम) गठित कर सफाई व्यवस्था को किया सुदृढ़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार गणेश चतुर्थी पर्व पर मोती डुंगरी गणेश मन्दिर में साफ-सफाई अन्य व्यवस्थाओं के लिये नगर निगम ग्रेटर ने एक्शन मोड में काम किया इसके लिये QRT (क्विक रेस्पॉस टीम) गठित की गई। जिसके 25 सदस्यों द्वारा क्विक रेस्पॉस के साथ कचरा सड़क पर से साफ किया गया। नगर निगम ग्रेटर के सीएसआई, एसआई, जमादार, सफाई कर्मचारियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और तुरन्त कचरे को कचरे पात्र में डाला जिससे सफाई व्यवस्था बनी रही। इसके साथ ही दर्शन के लिये आये हुये भक्तों को शहर को स्वच्छ रखने की अपील भी की गई। गणेश चतुर्थी पर्व पर आमजन को कोई परेशानी ना हो इसके लिये राउन्ड दा क्लॉक कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर्व पर आमजन को परेशानी ना हो इसको मददेनजर रखते हुये सफाई, पानी, बिजली इत्यादि की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये। गणेश चतुर्थी पर्व पर कन्ट्रोल रूम, QRT (क्विक रेस्पॉस टीम) में 25 सदस्य लगाये गये है साथ ही मार्गो पर डस्टबिन भी लगाये गये है जिससे सड़कों पर कचरा फैलने ना पाये।

विधानसभा अध्यक्ष ने अजमेर में विभिन्न विकास कार्यों का किया शुभारंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर के वार्ड 62 और 63 में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। देवनानी ने वार्ड 62 स्थित इंदिरा कॉलोनी में गलियों में सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत की। उन्होंने सड़क निर्माण को क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी सुविधा बताया। इसके पश्चात उन्होंने वार्ड 63 में प्रताप नगर पुलिया से श्मशान तक नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। देवनानी ने कहा कि अजमेर शहर के समग्र विकास के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को त्वरित गति से विकसित किया जा रहा है। सड़क एवं नाला निर्माण से नागरिकों को आवागमन, स्वच्छता एवं जल निकासी की बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने आमजन से शहर को स्वच्छ रखने, विकास कार्यों में सहयोग और निर्माण कार्य की निगरानी करने का आह्वान भी किया। देवनानी ने कहा कि बजट घोषणा के तहत बन रहे आईटी पार्क में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। काजीपुरा क्षेत्र में रमणीय लेपर्ड सफारी भी विकसित की जाएगी। अजमेर को श्रेष्ठ बनाने के लिए शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन सुविधाओं का व्यापक विकास किया जा रहा है। इस कार्यकाल में प्रारंभ किए गए अधिकांश कार्य अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि स्पीकर हेल्प डेस्क जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में संचालित हो रही है। इससे पाँच हजार से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त एक रुपये में भोजन की योजना भी चलाई जा रही है। यह सब कार्य आमजन के सहयोग और सहभागिता से संभव हो पाया है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

खोरा में श्री वीर तेजाजी महाराज को मेहंदी लगाकर बिठाया 9 दिन का बान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के खोरा गांव के मुख्य बस स्टैंड पर स्थित श्री वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में बुधवार को विधिवत हवन पूजन कर बाबा को मेहंदी लगाकर नो दिन का बान बिठाया। मंदिर के मुख्य सेवक मालीराम जिंजवाडिया ने बताया है कि भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को श्री वीर तेजाजी महाराज का मेहंदी व विशेष श्रृंगार कर नौ दिन का बान बैठाया जाता गया इस नो दिन में रोज आए दिन डीजे और गाजे बाजे के साथ स्थानीय महिलाओं के द्वारा मंगल गीत नाच गान कर बाबा की बिंदोरी निकाली जाएगी। इस दौरान बाबा के द्वार पहुंचकर खीर गेहूं की घुगरी और पकवान का भोग लगाया जाता है इस दौरान बाबा के गर्भ ग्रह सहित पूरे मंदिर परिसर को फूलों और रंग बिरंगी रोशनी से सजाया जाता है ओर भाद्रपद शुक्ला को वीर तेजा नवमी के दिन मुख्य मेले का आयोजन किया जाता है। और सेवक माली राम ने बताया कि खोरा स्थित श्री वीर तेजाजी महाराज के मंदिर की स्थापना अड़तालिस वर्ष पूर्व की गई थी जो बिंदोरी के रूप वर्षों पुरानी परंपरा आज भी इसी तरह निरन्तर चालु है। इस दौरान स्थानीय गोठिया के द्वारा बाबा के मंदिर में डफ डेहरू ढोल के द्वारा बाबा के सामने एक समूह में गोठ गाकर आयोजन किया गया।

स्थानीय गोटिया मालीराम जाट ने बताया कि श्री वीर तेजाजी महाराज गौ माता की सेवा करते थे और उनका मुख्य मंदिर नागौर जिले के खरनालिया में स्थित है और बाबा का ससुराल पंडेर गांव में स्थित है नागौर जिले की परबतसर तहसील में सुरसुरा गांव स्थित है जहां लोक देवता श्री वीर तेजाजी महाराज को सर्प के द्वारा डस लिया गया था । इस कार्यक्रम के दौरान गोवर्धन सोड, सरदारमल जींजवाडिया, फूलचंद घोसलया, रामप्रसाद जीजवाडिया, बनवारी श्योराण, रामेश्वर हरितवाल, जगदीश जाट, सूरज मीणा, राम सिंह जिंजवाड़िया सहित काफी संख्या में कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणेश चतुर्थी पर्व

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर गणेश चतुर्थी पर्व बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर स्थापित गणपति की प्रतिमा की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर चैयरमेन एवं पार्षदगण रमेश चन्द्र सैनी, रामकिशोर प्रजापत, महेश कुमार संघी, इन्द्र प्रकाश धाभाई, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी सहित निगम के आलाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण से 2000 से अधिक राजीविका की एसएचजी महिलाएं हुई सशक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिलाओं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी" अभियान के अंतर्गत राजस्थान पुलिस विभाग और राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के संयुक्त सहयोग से एक दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएँ और सुरक्षा सखियाँ शामिल हुईं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना हैं।

प्रशिक्षण में महिलाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों जैसे अवांछित स्पर्श, और उत्पीड़न से बचाव के लिए आवश्यक तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षकों ने न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। कई प्रतिभागियों ने मंच पर आकर इन तकनीकों को आज़माया और आत्मरक्षा के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।

प्रशिक्षण के दौरान जयपुर पुलिस द्वारा राजकॉप ऐप का परिचय कराया गया। इस ऐप को महिलाओं के लिए 24x7 सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत किया गया। मंच पर एक प्रतिभागी महिला को बुलाकर लाइव डेमो कराया गया, जिसमें "नीड हेल्प" बटन दबाते ही कुछ ही मिनटों में पुलिस सहायता केंद्र से कॉल रिस्पॉन्स प्राप्त हुआ। इस सफल प्रदर्शन ने उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया और सभी प्रतिभागियों ने ऐप डाउनलोड किया।

पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों ने महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानूनी ढांचे तक सीमित नहीं है बल्कि सामुदायिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण से भी जुड़ी हुई है। कार्यक्रम ने स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाएँ जागरूक हों, आत्मनिर्भर बनें और कानून तथा तकनीक दोनों का लाभ उठाएँ।

कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं ने आत्मरक्षा तकनीकों और राजकॉप ऐप के डेमो की खुलकर सराहना की। प्रतिभागियों ने माना कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती हैं बल्कि समाज में सुरक्षा का वातावरण भी बनाती हैं।

राजस्थान पुलिस और राजीविका द्वारा इस प्रकार के आत्मरक्षा और जेंडर जागरूकता कार्यक्रम पूरे राज्य में नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। आने वाले महीनों में विभिन्न जिलों में इसी तरह की कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की योजना है। इसका उद्देश्य महिलाओं को कानूनी जानकारी, आत्मरक्षा तकनीक और डिजिटल सुरक्षा साधनों से लैस करना है ताकि हर महिला अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग हो सके।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीमती सुनीता मीणा एंव राजीविका की प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती प्रीति सिंह समेत कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया।

ढूंढ नदी के बहाव क्षेत्र में 15 बीघा भूमि से हटाए अतिक्रमण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में ग्राम कानोता में करीब 15 बीघा ढूंढ़ नदी के बहाव क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम कानोता में करीब 15 बीघा ढूंढ़ नदी के बहाव क्षेत्र की भूमि के खसरा नं. 351/2 व 354/1 पर अतिक्रमण कर 60-70 स्थानों पर बनाई गई नव निर्मित चारदिवारी, टीनषेडनुमा कोठरियां व अन्य अवैध निर्माण/ अतिक्रमणों को आज जोन-13 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ व पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर ढूंढ़ नदी के बहाव क्षेत्र भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

फर्जी मार्कशीट मामले में चूरू विधायक की मुश्किलें बढ़ीं- केस वापस लेने की याचिका खारिज

-हाईकोर्ट ने कहा-विधानसभा के लिए चुना जाना अच्छी छवि का प्रमाण नहीं

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर राजस्थान हाईकोर्ट ने फर्जी मार्कशीट मामले में चूरू विधायक हरलाल सहारण के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को वापस लेने की राज्य सरकार की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश दिया।हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा-केवल इस आधार पर कि कोई आरोपी विधानसभा के लिए चुना गया है, यह उनकी जनता में अच्छी छवि का प्रमाण नहीं हो सकता। कोर्ट ने सरकार की ओर से पेश दलीलों को खारिज करने के साथ ही फटकार लगाते हुए कहा- वे यह साबित नहीं कर सके कि मुकदमा वापस लेने से न्याय के व्यापक हित कैसे पूरे होंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आवेदन सद्भावना से नहीं बल्कि कानूनी प्रक्रिया को दबाने के लिए दिया गया लगता है।जिला परिषद सदस्य का चुनाव लड़ते वक्त फर्जी मार्कशीट लगाई थी दरअसल, वर्ष 2019 में चिमना राम नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि हरलाल सहारण ने 2015 में जिला परिषद चूरू के वार्ड नंबर 16 से सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ते समय 10वीं क्लास की फर्जी मार्कशीट जमा की थी। शिकायत के आधार पर चूरू के कोतवाली थाने में FIR दर्ज की गई थी। आरोप के अनुसार, हरलाल सहारण ने नामांकन पत्र के साथ उत्तराखंड बोर्ड की एक मार्कशीट जमा की थी। इसमें रोल नंबर 1494335 था। लेकिन जब RTI के तहत जानकारी मांगी गई तो उत्तराखंड बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया कि यह रोल नंबर किसी छात्र को आवंटित ही नहीं किया गया था। यह भी पता चला कि मार्कशीट में दर्शाया गया स्कूल का नाम भी फर्जी था। पुलिस ने जांच के बाद धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश सहित अन्य धाराओं में चार्जशीट पेश की। कोर्ट ने संज्ञान लेकर आरोप भी तय किए। तब हरलाल सहारण ने संज्ञान के आदेश को चुनौती दी थी। लेकिन 11 सितंबर 2023 को उनकी रिवीजन पिटिशन खारिज कर दी गई। सरकार की ओर से रिपोर्ट में कहा गया कि हरलाल सहारण अब विधायक हैं, इसलिए उनके खिलाफ मुकदमा वापस लेना चाहिए। सरकार की ओर से रिपोर्ट में कहा गया कि हरलाल सहारण अब विधायक हैं, इसलिए उनके खिलाफ मुकदमा वापस लेना चाहिए।सरकार ने कहा- अब विधायक हैं, इसलिए मुकदमा वापस लेना चाहिए सरकार की रिपोर्ट पेश करते हुए एडवोकेट जनरल राजेंद्र प्रसाद ने बताया- राज्य सरकार ने 26 नवंबर 2024 की बैठक में फैसला लिया कि चूंकि हरलाल सहारण अब विधायक हैं, इसलिए उनके खिलाफ मुकदमा वापस लिया जाना चाहिए। सरकार ने हाईकोर्ट में सीआरपीसी की धारा 321 के तहत याचिका दाखिल की। इसमें एडवोकेट जनरल राजेंद्र प्रसाद ने कोर्ट में तर्क दिया कि उस मामले में सबूतों में कमी है। AG ने तर्क दिया कि पुलिस चार्जशीट में धारा 120-बी लगाई गई है, जबकि इस धारा में दो या इससे अधिक आरोपी होने चाहिए। जबकि चार्जशीट सिर्फ हरलाल सहारण के खिलाफ है। इसी तरह धारा 193 के मामले में अलग प्रक्रिया होनी चाहिए। इस मामले में चुनाव अधिकारी को शिकायत दर्ज करानी चाहिए थी, न कि किसी निजी व्यक्ति को, और जिला परिषद का कार्यकाल 2020 में समाप्त हो चुका है।कोर्ट की फटकार-विधायक चुना गया, ये अच्छी छवि का प्रमाण नहीं हाईकोर्ट ने सरकार के सभी तर्कों को नकारते हुए कड़ी टिप्पणी की। जस्टिस भुवन गोयल ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि 'केवल इस आधार पर कि कोई आरोपी विधानसभा के लिए चुना गया है, यह उनकी जनता में अच्छी छवि का प्रमाण नहीं हो सकता।' कोर्ट ने केरल सरकार बनाम के. अजीथ मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा- मुकदमा वापसी के लिए स्पष्ट कारण होने चाहिए। न्याय के व्यापक हितों और सार्वजनिक नीति के अनुकूल होना चाहिए। सरकारी समिति का फैसला संदिग्ध कोर्ट ने पाया कि राज्य स्तरीय समिति ने मुकदमा वापस लेने के लिए कोई स्पष्ट कारण नहीं दिया था। समिति की 26 नवंबर 2024 की बैठक के मिनट्स में केवल यह लिखा था कि हरलाल सहारण अब विधायक हैं और पूर्व/वर्तमान सांसद व विधायकों के मामले हाईकोर्ट की अनुमति से ही वापस लिए जा सकते हैं। कोर्ट ने इस तर्क को पूरी तरह नकार दिया और कहा कि यह कोई वैध कारण नहीं है।

जनता के धन का दुरुपयोग का मामला कोर्ट ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि आरोप के अनुसार हरलाल सहारण ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर जिला परिषद का चुनाव जीता। सार्वजनिक पद का दुरुपयोग करके सरकारी पैसे का इस्तेमाल किया। ऐसे गंभीर आरोपों में केवल राजनीतिक पद के आधार पर मुकदमा वापस लेना न्याय व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है। कोर्ट ने अपने फैसले में अब्दुल करीम बनाम कर्नाटक सरकार और राजेंद्र कुमार बनाम राज्य सरकार के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि मुकदमा वापसी यांत्रिक तरीके से नहीं की जा सकती। कोर्ट के इस फैसले से यह साबित हो गया कि विधायक हरलाल सहारण के खिलाफ आपराधिक मुकदमा जारी रहेगा। उस मामले की सुनवाई सरदारशहर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में आगे बढ़ेगी। हालांकि, हरलाल सहारण की तरफ से आरोप तय करने के आदेश को चुनौती देने वाली रिवीजन पिटिशन अभी भी लंबित है, जिसमें वे अपनी बचाव की कोशिश कर सकते हैं।

इनरव्हील क्लब द्वारा यातायात पुलिस कर्मियों का सम्मान सेल्यूट साइलेंट वर्कर के रूप में

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा नीतु गुप्ता के सानिध्य में यातायात पुलिस विभाग में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी 30 पुलिसकर्मी उपस्थित रहे, जिनका क्लब की ओर तिलक चावल लगाकर माला पहनाई और प्रतीक चिन्ह भेंट किया और मुंह मीठा करवाकर अभी का आभार ज्ञापित किया। अध्यक्षा नीतु गुप्ता ने कहा कि "यातायात पुलिस कर्मी कठोर धूप, बरसात और हर परिस्थिति में अपनी ड्यूटी निभाकर नागरिकों की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग का यह दायित्व है कि उनके त्याग और सेवा भावना को मान्यता देते हुए उनका उत्साहवर्धन करें।" कार्यक्रम में क्लब सदस्यों ने यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूकता संदेश भी दिए और नागरिकों से अपील की कि सभी लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मंच संचालन चार्टर प्रेसिडेंट ललिता टोंगिया द्वारा मंच संचालन किया ओर उनके कर्मठ कार्य की प्रशंसा की ट्रेजरार मंजू बंसल ने बताया क्लब द्वारा प्लास्टिक हटाओ और कपड़े के थैले अपनाओ के अभियान के तहत सभी पुलिस कर्मियों को भी कपड़े के थैले वितरित किए ओर उन्हें ही उपयोग में लानी की बोला इस अवसर पर दिव्या जैन सीमा अग्रवाल मीना अरोरा उपस्थित रही।

विद्याधर नगर कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विचार गोष्ठी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर, जयपुर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की महाविद्यालय इकाई द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पांच वर्ष होने पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रहलाद सहाय बुनकर की अध्यक्षता में आयोजित विचार गोष्ठी में राजस्थान हिन्दी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष व राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला मुख्य अतिथि और राजकीय महाविद्यालय जगतपुरा की राजनीति विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ममता शर्मा मुख्य वक्ता रहें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : नीति से परिवर्तन तक विषयक गोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. ममता शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति रोजगारपरक और कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करती है,जो युवाओं के सर्वांगीण विकास पर बल देती है। मुख्य अतिथि डॉ. अखिल शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधान विद्यार्थी को भारतीय ज्ञान परम्परा से जोड़ते हैं वहीं इससे राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण दिशा मिलेगी। उन्होनें विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्किल और करियर निर्माण के लिए शिक्षा के साथ शिक्षणेतर गतिविधि स्काउटिंग से भी जुड़े क्योंकि स्काउटिंग में चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता का विकास, स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता में सुधार, अनुशासन, समाज सेवा का अवसर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में भागीदारी और शिक्षा व सरकारी नौकरियों में अतिरिक्त लाभ शामिल हैं। इस दौरान डॉ. निर्मला कुमावत, डॉ. चेतना शर्मा, गरिमा भास्कर, डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. सोनालिका कुमावत, डॉ. बीना कुमारी सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया।

गणेश चतुर्थी पर खंडार विधायक ने वितरित की नि:शुल्क स्कूटियाँ

-दिव्यांगजन बने आत्मनिर्भर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। गणेश चतुर्थी एवं श्री त्रिनेत्र गणेश लक्खी मेला-2025 के शुभ अवसर पर खंडार विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय पहल की गई। विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत सात पात्र दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड स्कूटियाँ (मय लोकोमोटिव फिटनेस) वितरित की गईं।

त्रिनेत्र गणेश मेले में रणथम्भौर रोड स्थित भंडारे स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक जितेंद्र गोठवाल, जिला कलक्टर काना राम एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने संयुक्त रूप से स्कूटी वितरण किया। लाभार्थियों में राजाराम बैरवा (नाहरी कलां), हनुमान प्रसाद सैन (खिजुरी), मांगीलाल गुर्जर (गोपालपुरा), प्रिंस जाट (कुरेड़ी), जुगराज सिंह (टोडरा फलोदी), रामफूल बैरवा (वीरपुर) एवं शिवप्रकाश गुर्जर (धूमण कलां) शामिल रहे।

इसके पश्चात खंडार विधायक ने गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर गणेश मेले को स्वच्छ बनाने में विशेष योगदान देने वाले सभी सफाई कर्मियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया । विधायक गोठवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रयास केवल सुविधा देने का नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के जीवन में नई ऊर्जा भरने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प है। कार्यक्रम में उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मीना आर्य, खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी, सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मा परियोजना के तहत कृषक-वैज्ञानिक संवाद, किसानों को मिला नवाचारों का ज्ञान

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। आत्मा परियोजना के अंतर्गत बुधवार को हनुमानगढ़ आत्मा परियोजना कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के लगभग 60 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक आत्मा सुभाष चन्द्र डूडी ने किसानों का स्वागत करते हुए किया। उन्होंने आत्मा परियोजना की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी और कहा कि ऐसे संवाद किसानों को नई तकनीक एवं वैज्ञानिक जानकारी से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इस अवसर पर कृषि अनुसंधान केन्द्र श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. ए.के. शर्मा ने किसानों से सीधे संवाद कर कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और बदलते तकनीकी परिदृश्यों से किसानों को अवगत कराया। केवीके संगरिया के विषय विशेषज्ञ (शस्य) डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा ने फसल अवशेष प्रबंधन एवं खरीफ व रबी फसलों में उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं विषय विशेषज्ञ (पौध संरक्षण) डॉ. उमेश कुमार ने खरीफ फसलों विशेषकर बीटी कपास में कीट एवं व्याधि प्रबंधन की प्रभावी तकनीकों पर प्रकाश डाला। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी अभिषेक गोदारा ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड की महत्ता बताते हुए पौधों में पोषक तत्वों के संतुलित प्रबंधन के तरीके साझा किए। उद्यान उपनिदेशक डॉ. रमेश चन्द्र बराला एवं सहायक निदेशक साहबराम गोदारा ने किसानों से संवाद कर शस्य फसलों के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने पर बल दिया और कहा कि फसल विविधीकरण से किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। इसी क्रम में कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. हरजिन्द्र सिंह ने बीटी कपास में रसचूसक कीट एवं गुलाबी सुंडी नियंत्रण पर प्रभावी जानकारी दी। कृषि अनुसंधान अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने खरीफ फसलों में की जाने वाली समसामयिक कृषि क्रियाओं की जानकारी प्रदान की। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह ने किसानों को पशुपालन का वैज्ञानिक प्रबंधन तथा पशुपालन विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। आत्मा परियोजना के उप परियोजना निदेशक करणजीत सिंह एवं वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक रामलाल गोदारा ने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं जलवायु अनुकूल खेती के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए टिकाऊ खेती की दिशा में प्रयास करना समय की मांग है। कार्यक्रम में एग्री केयर ड्रोन सर्विस, हनुमानगढ़ द्वारा ड्रोन का सजीव प्रदर्शन किया गया। इसमें किसानों को बताया गया कि किस प्रकार ड्रोन की सहायता से खेतों में उर्वरक एवं कीटनाशी का प्रभावी और समान रूप से छिड़काव किया जा सकता है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक कृषि डॉ. प्रमोद कुमार यादव, सहायक निदेशक कृषि मुख्यालय बलकरण सिंह एवं सहायक कृषि अधिकारी (उद्यान) डॉ. विपिन भादू भी उपस्थित रहे।

अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी कोटा ने होनहार और जरुरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की छात्रवृत्तियाँ

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा में समान अवसर और समावेशिता की मिसाल पेश करते हुए अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी, कोटा द्वारा अल बयान पब्लिक स्कूल और मल्टीवर्स एकेडमी, कोटा के तत्वावधान में रविवार 24 अगस्त 25 को एक ऐतिहासिक कदम उठाया। रविवार को आयोजित उद्घाटन समारोह के अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को "MV-SAT स्कॉलरशिप" प्रदान की गई। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों के लिए आशा की एक नई किरण है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा सपना देख रहे हैं। इस दौरान सोनाक्षी, महिरा, गौरी योगी, तल्हा, शर्रान, दीक्षा, करण, अजय समेत 20 विद्यार्थियों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन दादाबाड़ी (वक्फ नगर), कोटा स्थित नए परिसर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। यह अवसर सिर्फ एक स्कूल की शुरुआत नहीं, बल्कि भविष्य की शिक्षा के प्रति एक प्रतिबद्धता और मूल्य-आधारित समग्र विकास की ओर ठोस पहल का प्रतीक बना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सीईओ तौसीफ मडिकरी एवं संरक्षक प्रोफेसर मोहम्मद नईम फलाही (पूर्व संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार) ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। प्रो. मोहम्मद नईम फलाही ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी का माध्यम होनी चाहिए। अल बयान पब्लिक स्कूल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ठोस और सशक्त नींव रख रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तौसीफ मडिकेरी ने कहा कि एक प्रगतिशील विद्यालय वही है जो परंपरा और तकनीक का संतुलन बनाए रखे। अल बयान पब्लिक स्कूल इस विचारधारा का सुंदर उदाहरण है, जहां नवाचार और नैतिकता साथ-साथ चलते हैं। सही दिशा, उचित संसाधन और संकल्प से हम एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। मनीष गौर (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय कला महाविद्यालय कोटा) ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी की स्थापना को गुणवत्तापूर्ण और मूल्यनिष्ठ शिक्षा की दिशा में एक प्रशंसनीय पहल बताया। आरएफपी डिजिटल मीडिया के डायरेक्टर मकसूद खान ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा को तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता है, और अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी इस दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। संस्थान के संस्थापक एडवोकेट सैफुल इस्लाम ने अपने संबोधन में अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी की स्थापना की प्रेरणा और उद्देश्य को साझा किया। उन्होंने बताया कि इस सोसाइटी की नींव एक ऐसे शैक्षणिक मंच के रूप में रखी गई है, जहाँ शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम न होकर, बच्चों के चरित्र निर्माण, सोचने की क्षमता और नेतृत्व विकास का जरिया बने। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य है – हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और मूल्य-आधारित शिक्षा पहुँचाना। संस्थान की निदेशक निकहत तरन्नुम ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शिक्षा केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि सोचने, समझने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति है। उन्होंने बताया कि अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी का उद्देश्य छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाना है। इस मौके पर नवचयनित प्रोफेसर और दिल्ली शिक्षक भर्ती में चयनित हुए छात्रों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में अल बयान एजुकेशनल सोसाइटी प्रबंधन ने सभी अतिथियों, छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों, अभिभावकों और शुभचिंतकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और इस मिशन में निरंतर सहयोग की अपेक्षा जताई।

देश के निर्माण में मानव पूंजी की अहम भूमिका- डॉ. बोहरा

-मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी की कॉमर्स फैकल्टी में कार्यशाला का आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, जोधपुर में भारत सरकार के उच्च एवं तकनिकी शिक्षा विभाग के आदेशानुसार एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. निरंजन कुमार बोहरा ने कहा कि देश के निर्माण में मानव पूंजी की अहम भूमिका होती है जिससे आर्थिक सुधार होने की पूर्ण संभावना बनी रहती है। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की मानव पूंजी का देश के निर्माण में सहयोग तो है ही इसके साथ हमारा यह दायित्व बनता है कि मानव को पूर्ण महत्व देते हुए उन्हें आवश्यक सुरक्षा प्रदान की जाये क्योंकि मानव भी एक संसाधन के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. जमील काज़मी ने बताया कि यह कार्यशाला केवल वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिये ही उपयोगी नहीं है बल्कि विश्वविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थियों के लिये भी बहुत उपयोगी है। विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान कहा कि कार्यशाला का आयोजन केवल दिखावा नहीं है बल्कि इसे आत्मसात करते हुए आर्थिक सुधारों में अपना योगदान देना है। कार्यशाला में प्रबन्धन संकाय प्रोफेसर डॉ. दीपक भण्डारी ने कहा कि ये कार्यशाला इसलिये महत्वपूर्ण है कि अर्थव्यवस्था का ज्ञान होना आवश्यक है क्योंकि इसमे मानव की क्षमता का उपयोग एक पूंजी के रूप में देखा जा रहा है। कार्यकम में डॉ. सीमा परवीन खान, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, डॉ. मोहम्मद शाहिद सहित समस्त स्टाफ व स्टूडेन्ट उपस्थित रहे । संचालन डॉ. अब्दुल्लाह खालिद ने किया।

वार्ड नं. 28 में श्री गणेश पूजा महोत्सव का हुआ शुभारम्भ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भरतीयो की गली वार्ड नं. 28, सुभाष चौक स्थित गणेश मित्र मण्डली द्वारा श्री गणेश पूजा महोत्सव 2025 का शुभारंभ हुआ। बुधवार 27 अगस्त को गणेश पूजा व वन्दना के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में पंडित प्रेम चौबे ने पुजा अर्चना करवाई कार्यक्रम में मातृशक्ति की उपस्थिती शानदार रही। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विकास बांठिया, पार्षद शशिकला शर्मा, पूर्व प्रधान रणजीत सातड़ेवाला, भाजपा जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, अजय तंवर, अशोक तंवर, जयप्रकाश प्रजापत, श्रीचन्द सिंधी, नारायण सोती, हुकमीचन्द लोहिया, डेडराज जालुका, ताराचंद बांठिया, नितेश कुमावत, विमल रिबियेवाला, प्रेम शर्मा, सुनील जालान, सुभाष सहल श्रवण दर्जी, केशरदेव तंवर, जिला महामंत्री भाजयुमो जयपाल सिंह टकणेत, मोहनलाल पूर्वा, मनोज तंवर सहित अनेक वार्डवासी व श्रृद्वालू उपस्थित रहे।

एक साल से पंचायत और निकाय चुनाव भाजपा सरकार क्यों टालना चाहती है- चौहान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा अब ये स्पष्ट हो गया है कि भाजपा का लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं है। ये लोग सत्ता के दुरुपयोग से पंचायत और नगर निकाय प्रणाली को पंगु बनाकर केवल तानाशाही शासन करना चाहते हैं। चौहान ने कहा कि हमारे नेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार से मांग करते हुए कहा,प्रदेश में एक साल से पंचायत और निकाय चुनाव लंबित है। संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन पर हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सरकार को छ: महीने में चुनाव कराने का आदेश दिया था। हमें आशा थी कि हाईकोर्ट की डबल बेंच भी अपना निर्णय सरकार को तुरंत चुनाव कराने का देगी। लेकिन आदेश जनता अपेक्षा व भावना के विपरित रहा।संविधान विरोधी भाजपा सरकार ने पंचायत व निकाय चुनाव टालने के लिए हाईकोर्ट की डबल बेंच से 6 महीने में चुनाव के आदेश पर रोक लगवा दी। ये सरासर लोकतांत्रिक मूल्यों का गला घोंटने के समान है। ये ना सिर्फ पंचायती राज व्यवस्था के प्रावधानों की अवहेलना है, बल्कि स्वशासन और जनता की सरकार के अधिकार का दमन है।जब स्वयं राज्य निर्वाचन आयोग "एक राज्य, एक चुनाव" को अव्यवहारिक बता चुका है, तो फिर भाजपा सरकार माननीय कोर्ट को क्यों गुमराह करने में लगी है? ये समझ से परे है कि आखिर भाजपा चुनाव से क्यों भाग रही है, मुख्यमंत्री को ऐसी क्या घबराहट है?

श्री गणेश चतुर्थी पर दर्शनार्थियों के लिए विशाल भणडारा का आयोजन गुप्त भक्तो के सौजन्य से किया

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। सेठ श्री धर्मदास तुलस्यान चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर बुधवार को अपराह्न 5:30 बजे से विशाल भणडारा का आयोजन गुप्त भक्तो के सौजन्य से कार्यक्रम संयोजक आशिष तुलस्यान के संयोजक्तत्व में किया गया। शुभारंभ से पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉक्टर अरुण कुमार गर्ग द्वारा मां भगवती श्री राणीसती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से अतिथि डॉक्टर गर्ग का स्वागत शॉल, साफा एवं दुपट्टा ओढ़ाकर माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉक्टर डी.एन.तुलस्यान ने किया। विदित है कि विशाल भण्डारा का आयोजन राणी सती रोड चुणा चौक से बगड की और से जाने वाली रोड पर लगाया गया। सेठ श्री धर्मदास तुलस्यान चैरिटेबल ट्रस्ट झुंझुनूं द्वारा संचालित तुलस्यान बंसल सेवा सदन से लगता हुआ है। इस अवसर पर ट्रस्ट से राजकुमार तुलस्यान, कार्यक्रम संयोजक आशीष तुलस्यान, अशोक तुलस्यान, उत्तम तुलस्यान, डॉ.डी. एन.तुलस्यान, सुरेश तुलस्यान, गणेश हलवाई चिडावावाला, रवि गुप्ता बिरमीवाला, दिनेश ढंढारिया, नवल खंडेलिया, कमल केजडीवाल, सुनील हलवाई चिडावावाला, प्रदीप पाटोदिया, दिलीप हंसासरिया, शिवचरण पुरोहित, सुरेन्द्र अग्रवाल, अनिल राणासरिया, श्यामसुन्दर तुलस्यान, सुनील तुलस्यान, दीपक केडिया, चंद्रकांत बंका, सीए प्रशांत तुलस्यान, डॉक्टर देवेंद्र सिंह शेखावत, शिवकुमार जांगिड, गोपाल कृष्ण गुप्ता सहित शहर की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद सवाई माधोपुर के जिम्मेदारों ने किया बाढ प्रभावित श्रेत्र का दौरा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। 27 अगस्त भारी बारिश से हुए नुक़सान का जायज़ा लेने और तबाही के मंजर को अपनी आंखों से देख जिन लोगों का नुक़सान हुआ है उनकी 100% भरपाई तो नहीं की जा सकती लेकिन मरहम तो लगाया ही जा सकता है। अब मरहम के तरीक़े अलग अलग हैं कोई उनके दुख में शामिल हो जाता है जैसे सफाई वगैरह के ज़रिए कोई जुबानी ढांढस बंधवाता है कोई माल देकर आज 27 अगस्त को एक तरफ साबिर जादौन इंटरप्राइजेज जड़ावता गांव में पानी से प्रभावित हुए शख़्स की ज़मीन को निस्वार्थ समतल करने का काम कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ सिटी सवाई माधोपुर में जमीयत उलेमा ए हिंद मौलाना महबूब आलम की अगुआई में जिन मोहल्लों में पानी ने तबाही मचाई उनका निरीक्षण कर आम लोगों (बिना हिंदू मुस्लिम किए) की मदद करना जिसमें हम्माल मस्जिद के सामने मौलाना गुलशेर अहमद मौलाना यामीन खिरनी मौलाना इनायतुल्लाह के हाथों 100 से ज़ायद किट ओढ़ने बिछाने की दरी कंबल के साथ ताऊन किया शाम होने पर 50 किट और तैयार हुए जिन को मखौली कानसीर में कल बांटा जाएगा। और कुछ किट सूरवाल धनौली में भी दिए जाएंगे। खंडेलवाल किराना से सामान पैक कराने के बाद जड़ावता गांव में पानी से प्रभावित हुए बाबा को सर ढांपने का इंतज़ाम किया गया पूर्व विधायक जनाब दानिश अबरार ने दौरा कर उनकी समस्या से लोगों से अपील की जिससे जमीयत उलेमा ए हिंद सवाई माधोपुर के साथियों ने फैसला लिया और 5 लोहे की चद्दर 12×4 खरीदी आज शाम को लेट हो जाने की बिना पर आज के बाद किसी और दिन जड़ावता गांव में बाबा के सुपुर्द कर दी जाएगी। जमीयत उलेमा ए हिंद का हर साथी हमारे उन सभी भाइयों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता है जिन्होंने जमीयत उलेमा ए हिंद की एक आवाज़ पर इस भले काम में हिस्सा लिया।

डिस्कॉम चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने ली वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक

-निर्बाध विद्युत आपूर्ति, ट्रिपिंग कम करने, समयबद्ध कनेक्शन जारी करने के दिये निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर विद्त वितरण निगम लिमिटेड के पंचशील स्थित मुख्यालय में मंगलवार को डिस्कॉम चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक के.पी. वर्मा ने पावर पॉइंट प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से अजमेर डिस्कॉम की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों एवं चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में डिस्कॉम चेयरमैन ने उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने ट्रिपिंग में कमी लाने, सभी श्रेणी के नए कनेक्शनों (घरेलू, अघरेलू, कृषि एवं औद्योगिक) को समयबद्ध जारी करने, बिजली चोरी रोकने, डिफेक्टिव मीटर को प्राथमिकता से बदलने तथा उपभोक्ता सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश दिए। सुश्री डोगरा ने कुसुम योजना एवं आरडीएसएस योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए इन योजनाओं की गति और प्रभावशीलता में और तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, आधुनिक तकनीक और नवाचारों का उपयोग कर विद्त आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान निदेशक तकनीकी मुकेश चंद बाल्दी, मुख्य लेखा नियंत्रक एम के गोयल, मुख्य अभियंता एम एल मीना, मुख्य अभियंता अशोक कुमार, अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजीव वर्मा, सचिव प्रशासन सीमा शर्मा, टाटा पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार शर्मा सहित अजमेर डिस्कॉम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अरोड़वंश कॉलेज में एडीजे ने किया जागरूकता शिविर का आयोजन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), श्रीगंगानगर द्वारा मासिक एक्शन प्लान के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य, घरेलु हिंसा से सम्बंधित विषयों पर मंगलवार को मिनाक्षी सेतिया अरोड़वंश गर्ल्स कॉलेज श्रीगंगानगर में जागरूकता शिविर का आयोजन कर छात्राओं को जागरूक किया गया। शिविर के दौरान एडीजे सुथार ने अरोड़वंश गर्ल्स कॉलेज में उपस्थित छात्राओं को बताया कि इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ साईबर अपराधों में भी वृद्धि हुई है। साईबर ठगी से बचाव के लिए ऑनलाईन लेनदेन के वक्त मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना, किसी से भी अपना ओटीपी साझा न करना तथा सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए किसी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही एडीजे सुथार ने उपस्थित छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य में सुथार के लिए स्मार्टफोन और सोशल मीडिया का उपयोग कम करने, नशे की लत न लगाने तथा नियमित रूप से योगा, प्राणायाम करने की सलाह दी गई। इसके साथ उपस्थित छात्राओं को घरेलु हिंसा अधिनियम में महिलाओं को दिये गये अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल रोहताश यादव द्वारा विधिक सेवा अधिनियम 1987 के तहत मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, सलाह के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साईबर थाना से सहायक उप निरीक्षक धर्म दास द्वारा डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया हेकिंग व फिशिंग और आर्कषक ऑफर या सरकारी योजनाओं के नाम पर ईमेल, एसएमएस भेजकर गोपनीय जानकारी प्राप्त करने एवं सर्तकता बरतने के बारे में छात्राओं को विस्तार से बताया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से डिफेंस काउंसिल अमनदीप चलाना द्वारा मंच संचालन करते हुए नालसा हेल्पलाईन नं. 15100, नालसा पोर्टल व लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के बारे में जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। इस अवसर पर मिनाक्षी अरोड़वंश गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल कोचर, ट्रस्टी विजय सेतिया, लीगल एड डिफेंस काउंसिल नरपेण कम्बोज के साथ विधि प्रशिक्षु छात्रा जश्नप्रीत कौर भी उपस्थित रही।

धान में लट प्रबन्धन के लिए कृषकों को सलाह

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। धान में इन दिनों लटों का प्रकोप बना हुआ हैं। उसी को ध्यान में रखते हुए केन्द्र के कीट वैज्ञानिक प्रो. हरीश वर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार कौशल कुमार सोमाणी एवं अल्फा नगर के कृषि पर्यवेक्षक हेमराज वर्मा ने धान में लट प्रभावित क्षेत्र के गाँवों डोरा, तुलसी का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों ने पाया कि धान की फसल में स्वार्मिंग केटरपिलर (स्पोडोप्टेरा मॉरीशिया) का प्रकोप हो रहा हैं। इस लट का रूप-रंग शुरुआती अवस्था में, हल्के हरे रंग का होता है, जिन पर पीली सफेद धारियां होती है। बाद में, ये गहरे भूरे या धूसर हरे रंग के हो जाते हैं और इनके किनारों पर विशिष्ट अर्धचंद्राकार काले धब्बे पाये जाते हैं। कैटरपिलर झुंड में भोजन करते हैं और पत्तियों को खाकर नष्ट कर देते हैं और यहाँ तक कि पौधों के आधार को भी काट कर नष्ट कर देते हैं। यह लट छह लार्वा अवस्थाओं से गुजरते हुए लगभग 3.8 सेमी की लंबी हो जाती है। यह पत्तियों के सिरे और किनारों को काटकर नुकसान पहुँचाती है, जिससे विशेष रुप से छोटे पौधे को देखने पर ऐसा प्रतीत होता है जैसे खेत में किसी पशु द्वारा चराई की गई है। कीट का पूरा जीवन चक्र लगभग 25-40 दिनों का होता है, जिसमें प्रति वर्ष कई पीढ़ियों होती हैं। मादा घास, खरपतवारों और चावल की पत्तियों पर 200-300 के समूहों में मलाईदार सफेद, गोलाकार अंडे देती है, जो भूरे बालों से ढके होते हैं। पतंगे राख भूरे रंग के होते हैं, जिनका पंख फैलाव लगभग 40 मिमी होता है और अगले पंखों पर एक त्रिकोणीय काला धब्बा होता है। भ्रमण के दौरान पाया गया कि कृषक नत्रजन युक्त उर्वरकों का सिफारिश की गई मात्रा की तुलना में अधिक उपयोग कर रहे हैं जिससे कीटों का प्रकोप अधिक हो रहा है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि नत्रजन युक्त उर्वरक (यूरिया) का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें। वर्तमान में चल रहे कीटों के प्रकोप प्रबन्धन के लिए निम्न सलाहों का अनुसरण करने के लिए कृषकों को सलाह दी जाती है।

1. धान के खेतों में झुंड में रहने वाले कैटरपिलर के प्रबंधन के लिए, संवर्धित, यांत्रिक और रासायनिक विधियों को मिलाकर एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाएँ।
2. खेत में एवं आस-पास के क्षेत्र में खरपतवार निकालकर छिपने और प्रजनन स्थलों को कम करने के लिए खेतों और उनके आसपास से अतिरिक्त खरपतवार और वैकल्पिक पोषी पौधों को हटा दें। जैविक नियंत्रण के लिए बैसिलस थुरिजिएसिस (बीटी) या स्पोडोप्टेरा मौरेटिया न्यूक्लियोपॉलीहेड्रोवायरस (एसएमएनपीवी) जैसे सूक्ष्मजीवी उत्पादों का उपयोग करें।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने डूंगरपुर के देवल में सीएलजी सदस्यों व आमजन से किया संवाद

-पुलिस बनेगी युवाओं व महिलाओं की मददगार

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा अपने दो दिवसीय उदयपुर रेंज प्रवास के दौरान मंगलवार को सुबह पुलिस जवानों की समस्याएं सुनने के बाद डूंगरपुर जिले के देवल गांव स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे और यहां आयोजित जनसहभागिता शिविर में सीएलजी (कम्युनिटी लायजन ग्रुप) सदस्यों व आमजन से संवाद किया। इस दौरान लोगों ने खुलकर अपनी समस्याएं व सुझाव रखे। जनसंवाद में सेवानिवृत्त एएसआई महेन्द्रसिंह, चैंबर ऑफ कॉमर्स सदस्य प्रभुलाल पटेल, समाजसेवी सुरेश फलोजिया, अचला वसीटा, लक्ष्मण कोटेड, कुसुमलता, ममता जैन, रेखा, पूजा, केवलराम, जयदीप भट्ट सहित ग्रामीणों व सीएलजी सदस्यों ने कानून-व्यवस्था, जन सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं में कमी, पुलिस कार्मिकों के आरजीएचएस कार्ड का गुजरात में लाभ न मिलना, युवाओं में ड्रग्स व जुए की लत, विद्यालय समय में पुलिस गश्त की आवश्यकता, साइबर क्राइम रोकथाम, रेलवे में महिला स्टाफ की नियुक्ति, हथियार लहराते बाइकर्स और नाबालिग वाहन चालकों पर रोक जैसे मुद्दे उठाए। इसके अतिरिक्त देवल गांव व पुरानी जेल में नया थाना खोलने, बनकोड़ा में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने, पावर बाइक राइडर्स व गोवंश तस्करी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। लोगों ने नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने और राजीविका महिला कर्मियों को रिकवरी के दौरान पुलिस सुरक्षा देने की भी मांग रखी। जनसंवाद के दौरान कई वक्ताओं ने "ऑपरेशन संस्कार" और पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली की प्रशंसा भी की।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री गंभीर—

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि जन सहभागिता शिविर जैसे आयोजनों में धरातल से मिला फीडबैक पुलिस के कामकाज में सुधार का आधार बनेगा। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री गंभीर हैं। इसी उद्देश्य से जयपुर में चलाया जा रहा अभियान "सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी" अब डूंगरपुर में भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पुलिस युवाओं और महिलाओं की सच्ची मददगार बनेगी। इसके लिए डूंगरपुर में कई नए कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

ऊबड़ा का देवरा से देवमाली धाम के लिए विशाल 26वीं पदयात्रा

-देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष भड़ाना ने ध्वज थामकर किया शुभारंभ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। देवनारायण भगवान प्राचीन मंदिर ऊबड़ा का देवरा से देवमाली गोठा सवाईभोज मालासरी धाम की ओर निकलने वाली विशाल 26वीं पदयात्रा का शुभारंभ मंगलवार को भक्तिभाव एवं धार्मिक उल्लास के बीच हुआ। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना ने मंदिर प्रांगण में एकत्रित श्रद्धालुओं की मौजूदगी में ध्वज थामकर पदयात्रा का शुभारंभ किया। रंग-बिरंगे ध्वज, डीजे की भक्तिमय धुनों, भगवान देवनारायण के जयकारों और बैंड-बाजों की गूंज के बीच श्रद्धालु पदयात्रा के लिए रवाना हुए। मंदिर प्रांगण से लेकर यात्रा मार्ग पर धार्मिक माहौल बना रहा। देवमाली यात्रा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस 26वीं पदयात्रा में समाज के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए हैं। वे अगले तीन दिनों तक पैदल यात्रा कर मालासरी धाम पहुंचेंगे। यात्रा में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस अवसर पर संग्राम सिंह गुर्जर, शिवप्रकाश गुर्जर, भंवर चोपड़ा, हरिसिंह खटाना, हरचंद हांकला, अंकित गुर्जर सहित अनेक समाजबंधु एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 अजमेर जिले से 1719 श्रद्धालु हुए चयनित

-भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठजनों को मिलेगा नि:शुल्क तीर्थ दर्शन का अवसर

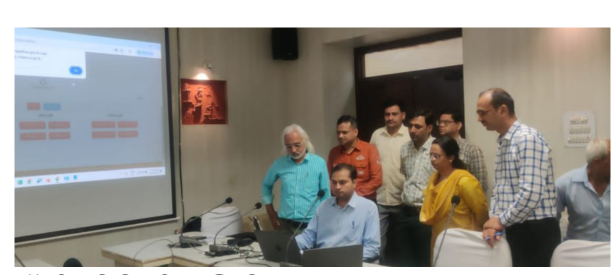

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनकी आस्था, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़े रखने के लिए सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में देवस्थान विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के अंतर्गत अजमेर जिले की लॉटरी प्रक्रिया मंगलवार को जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

जिले से प्राप्त आवेदन एवं चयन

अजमेर जिले से इस योजना के अंतर्गत कुल 4 हजार 638 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें 7 हजार 192 व्यक्तियों द्वारा आवेदन किया गया। इनमें से लॉटरी द्वारा 1719 वरिष्ठ नागरिकों का चयन किया गया। इनमें से 1534 वरिष्ठजन रेल यात्रा तथा 184 वरिष्ठजन हवाई यात्रा के लिए चयनित हुए हैं।

लॉटरी समिति की उपस्थिति

लॉटरी समिति में जिला कलक्टर लोक बन्धु के साथ जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश, अतिरिक्त जिला कलक्टर वंदना खोरवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना रंगा, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गिरीश बच्चानी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक योगेश खत्री एवं डीओआईटी से उपनिदेशक वेद रतन उपाध्याय भी उपस्थित रहे।

यात्रा गंतव्य

रेल द्वारा यात्राओं में हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी-सारनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना-आगरा- अयोध्या, द्वारिकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरुपति, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम, वैष्णोदेवी, महाकालेश्वर उज्जैन-औंकारेश्वर सहित अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल सम्मिलित हैं। वहीं हवाई यात्रा के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे।

विभिन्न परीक्षाओं के दौरान निर्देशों की पालना हो

-पंजाबी शिक्षकों की कमी को दूर किया जायेगा: चहल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग के माननीय सदस्य हरदीप सिंह चहल ने कहा कि विभिन्न परीक्षाओं को लेकर राजस्थान सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाये। चहल मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाहॉल में आयोजित बैठक में आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने गत दिनों जयपुर में आयोजित परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी का कड़ा व कृपाण उतारने को लेकर घटना की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लिया तथा निर्देश जारी किये हैं कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृति न हो। चहल ने इस घटना को त्वरित व संवेदनशीलता के साथ लेने पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व मुख्य सचिव सुधांश पंत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिलों में आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं से पूर्व अधिकारियों को परीक्षार्थियों के लिये जो दिशा-निर्देश है, उनका भली प्रकार से अध्ययन कर आमजन को प्रेस एवं विभिन्न माध्यमों से जानकारी दी जाये तथा नियम के विरूद्ध कोई भी कार्य या गतिविधि नहीं होनी चाहिए। दिशा-निर्देशों को विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर भी चस्पा किये जाये, जिससे अभ्यर्थी उनका भली प्रकार से अध्ययन कर लेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य में पंजाबी, संस्कृत, उर्दु शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिये सरकार को लिखा गया है। हमें पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में शिक्षकों की कमी दूर की जायेगी, जिससे अल्पसंख्यक छात्र अपनी पसन्द का विषय पढ़ सकेंगे। बैठक में एडीएम सतर्कता श्रीमती रीना, अल्पसंख्यक विभाग के श्री सुखमन सिंह जोहल, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, जिला शिक्षा अधिकारी श्री गिरजेश कांत सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के तहत डबली खुर्द में शिविर

-जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार के जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के तहत मंगलवार को टिब्बी की ग्राम पंचायत डबली खुर्द में वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित हुआ। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शिविर का निरीक्षण किया तथा शिविरों की प्रगति को लेकर समीक्षा की। इस मौक पर जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई, एसडीएम सत्यनारायण सुथार, बैंक अधिकारियों सहित ग्राम पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। कैंप में विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को घर का बजट बनाने, नियमित बचत करने, बैंक खातों में राशि जमा कराने और ऑनलाइन बैंकिंग व यूपीआई जैसी सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और मुद्रा योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। पुराने खातों की री-केवाईसी कराने और नए खाते खोलने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बढ़ते डिजिटल फ्रॉड व साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। ग्रामीणों को फर्जी लिंक, मोबाइल ऐप और ओटीपी साझा करने से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक किया गया। अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश पर भरोसा न करें और समय-समय पर अपने खाते में लेन-देन करते रहें।

सागवाड़ा विधायक डेचा ने 15 लाख की लागत के सामुदायिक भवन का किया शिलान्यास

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। सागवाड़ा विधायक शंकर लाल डेचा ने 15 लाख की लागत से केसरपुरा ग्राम पंचायत जसेला में बनने वाले सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में विधायक शंकरलाल डेचा ने कहा कि हमारी संस्कृति संस्कारों का केंद्र है। सांस्कृतिक आयोजन हमारे जीवन का हिस्सा है, जिसके माध्यम से हमारी संस्कृति और संस्कार विरासत के रूप में मिल रहें हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भी संस्कृति और संस्कारों को कायम रखना बहुत जरूरी है और इसी बात को ध्यान में रखकर सामुदायिक भवन का निर्माण और विकास किया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने सभी भक्तों को आह्वान किया कि बच्चों को संस्कारित करें, जिससे सही संस्कारों और विवेक के साथ भावी पीढ़ी जीवन पथ में आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम के प्रारंभ में उन्होंने पारंपरिक रूप से विधि विधान से पूजा अर्चना की तथा संतों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर स्थानीय केसरपुरा धूणी के गादीपति सतुरा महाराज, शम्भू महाराज, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, जिला प्रमुख सूर्य अहारी, प्रधान जयप्रकाश पारगी उप प्रधान कमला डेंडोर, शंभूसिंग, राजभद्रा, राजा बापू योगेन्द्र सिंग, मोहनपाल सिंग, हरीश पंचाल, योगेंद्रसिंग, गोपाल पाटीदार , लालशंकर , मानकलाल , सरपंच शांत देवी, मनोहरलाल , मदनलाल, सुभद्रा, कंकु देवी , लक्ष्मी देवी उपसरपंच कन्हैयालाल जसवंत खराड़ी, राजेन्द्र बमनिया, राजेश पाटीदार,बिहारीलाल जिला परिषद सदस्य पृथ्वी डामोर, सुनील डेंडोर, ललित यादव, महेश मईडा,गणमान्य नागरिक तथा ग्रामवासी मौजूद रहें। संचालन गणेश डामोर ने किया।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 , जिले से 979 श्रद्धालु हुए चयनित

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनकी आस्था, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़े रखने के लिए सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में देवस्थान विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के अंतर्गत धौलपुर जिले की लॉटरी प्रक्रिया मंगलवार को जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने बताया कि जिले से इस योजना के अंतर्गत कुल 1127 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से लॉटरी द्वारा 979 वरिष्ठ नागरिकों का चयन किया गया। इनमें से 874 वरिष्ठजन रेल यात्रा तथा 105 वरिष्ठजन हवाई यात्रा के लिए चयनित हुए हैं। मुख्य सूची के अतिरिक्त रेल यात्रा हेतु 689 एवं हवाई यात्रा हेतु 105 लोगों की प्रतीक्षा सूची भी निकाली गई। रेल के जरिए रामेश्वरम, मदुरई, जगन्नाथपुरी, तिरूपति, द्वारकापुरा, सोमनाथ, वैष्णोदेवी, अमृतसर, प्रयागराज, वाराणसी, मथुरा, वृंदावन, सम्मेद शिखर, पावापुरी, उज्जैन, ओंकारेश्वर, गंगासागर, कामाख्या, हरिद्वार, ऋषिकेश, बिहार, शरीफ, बेलनकानी चर्च तथा हवाई जहाज के जरिए पशुपतिनाथ, कांठमांडु की यात्रा करवाई जाएगी। यदि आवेदक व उसके जीवनसाथी की आयु 75 वर्ष से अधिक है तो उन्हें एक सहायक ले जाने हेतु आयुक्त देवस्थान विभाग द्वारा अनुमत किया जा सकेगा। जिला कलक्टर ने कहा की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार वरिष्ठ नागरिकों की आस्था और सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध है।

हनी सिंह के गाने माफिया का टीजर हुआ रिलीज...

मुंबई। मंगलवार को रैपर हनी सिंह की एल्बम '51 ग्लोरियस डेज' के टाइटल ट्रैक माफिया का टीजर रिलीज हुआ। टी-सीरीज के बैनर तले बने इस गाने के टीजर में हनी पाजी का खतरनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। इस गाने को अगले महीने 26 सितंबर को रिलीज किया जाएगा। कहा जा रहा है कि ये रैपर का मच अवेटेड गाना है, जिसके लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गाने के टीजर की शुरुआत होती है हनी सिंह के किश्ती वाले सीन से, जहां वो बोट में बैठकर कहीं पर जा रहे हैं। बोट पर अमेरिका का झंडा लगा हुआ है। इसके बाद वो बहुत सारे लोगों के साथ एक दम डॉन स्टाइल में वॉक करते नजर आते हैं।

लाइफ Style

कृतिका

सैयारा ने दिखाई रोमांटिक फिल्मों की ताकत

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में सीरीज सारे जहां से अच्छा में फातिमा के रोल में नजर आई हैं। उनके इस किरदार और शो को ऑडियंस से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। साथ ही कृतिका के काम की भी तारीफ की गई है।

कृतिका टीवी से लेकर फिल्मों और अब ओटीटी तक, हर प्लेटफॉर्म पर काम कर रही हैं। एक्टिंग के साथ-साथ उन्होंने चंदेरी में सिनाबार नाम से फैशन इनिशिएटिव भी शुरू किया है, जो कारीगारों को मदद और पहचान दिलाने की कोशिश है। एक बातचीत में उन्होंने कहा, मेरा कॅरियर प्रेम कहानियों से शुरू हुआ और ऑडियंस का इतना प्यार मिला कि आज भी लोग मुझे उन्हीं रोल्स के लिए याद करते हैं। लेकिन, हाल के वर्षों में रोमांस को जोखिम माना जाने लगा था। अब सैयारा की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अच्छी रोमांटिक कहानियां हमेशा लोगों के दिल में उतरती हैं। मैं चाहती हूं कि मुझे एक ऐसी प्रेम कहानी मिले, जो दिल को छूने वाली हो, जो ऑडियंस को हंसा भी सके और रुला भी सके। सच कहूं तो रोमांस मेरे दिल के सबसे करीब है और मैं चाहती हूं कि फिर से एक ऐसी मोहब्बत की दास्तान करूं जिसे ऑडियंस बरसों तक याद रखें। मैं जल्दबाजी नहीं करती और सही मौके का इंतजार करती हूं। मुझे खुशी है कि मैं इंतजार कर सकती हूं। बस अफसोस इतना है कि महिलाओं के लिए गहरे और मजबूत किरदार कम मिलते हैं। किसी कहानी में आकर्षण तो स्वाभाविक होता है।

हॉलीवुड मसाला

तुम ये पूछने वाली होती कौन हो?

लॉस एंजिल्स। परिणीति चोपड़ा के मां बनने की खबर से प्रियंका चोपड़ा बेहद खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बहन और राघव चड्ढा को बधाई दी। प्रियंका के इस पोस्ट पर कुछ लोगों ने सवाल उठाए, वहीं कई प्रशंसकों ने उनका समर्थन किया। कुछ ने तो सवाल उठाने वालों से भी पूछा है कि तुम ये पूछने वाली हो कौन? परिणीति चोपड़ा मां बनने वाली हैं और अपनी चचेरी बहन की इस खुशखबरी पर प्रियंका चोपड़ा फूले नहीं समा रहीं। प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर बहन के लिए ये प्यार जताते हुए कपल को बधाई दी है।

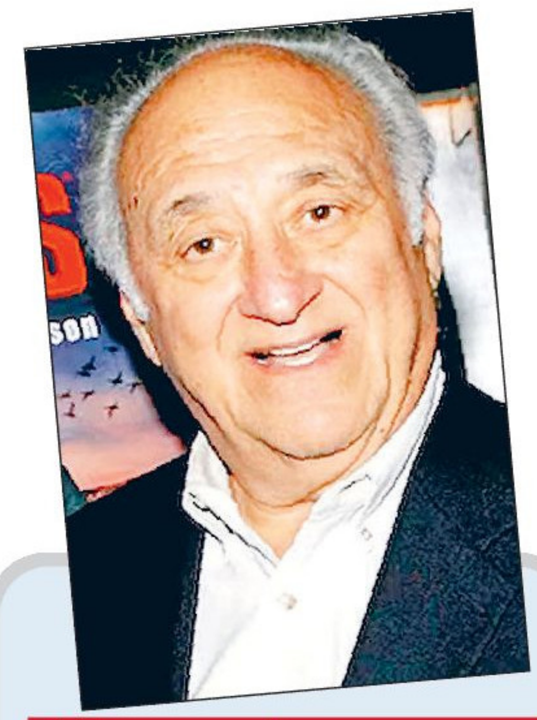

जेरी एडलर ने द गुड वाइफ में दर्शकों का दिल जीता

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी स्टार 'जेरी एडलर' का 96 साल की आयु में निधन हो गया। जेरी ने 62 साल की उम्र में अपना अभिनय कॅरियर शुरू किया। उन्होंने 'द सोप्रानोस' और 'द गुड वाइफ' में अपनी भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता। जेरी एडलर ने अपने कॅरियर की शुरुआत ब्रॉडवे के पर्दे के पीछे स्टेज मैनेजर के रूप में की। उन्होंने माई फेयर लेडी, ऑफ द आई सिंग और द एप्पल ट्री जैसे प्रसिद्ध नाटकों में काम किया। वे कैथरीन हेपबर्न और जीरो मोस्टेल जैसे दिग्गजों के साथ भी जुड़े। 62 साल की उम्र में जेरी ने अभिनय शुरू किया। 1991 में ब्रुकलिन ब्रिज से डेब्यू करने के बाद, वे 1993 में वुडी एलेन की फिल्म 'मैनहट्टन मर्डर' मिस्ट्री में नजर आए। उनकी सबसे यादगार भूमिका द सोप्रानोस में हरमन हेश रबकिन की थी, जो 1999 से 2007 तक चली। इसके अलावा, द गुड वाइफ और द गुड फाइट में हॉवर्ड लाइमैन के किरदार में भी वे लोकप्रिय हुए।

रागिनी एमएमएस की तीसरी किस्त में एंट्री

मुंबई। निर्माता और निर्देशक एकता कपूर एक बार फिर से अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी एमएमएस 3' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हर बार की तरह इस बार फिल्म में नई स्टार कास्ट नजर आएगी, जिसमें अभी तक तमन्ना भाटिया की एंट्री हो चुकी है। वहीं, अब एक और एक्ट्रेस के होने की जानकारी सामने आई है। रागिनी एमएमएस 3 में तमन्ना भाटिया के बाद अब एकता कपूर की इस फिल्म में नोरा फतेही भी शामिल हो चुकी हैं। तमन्ना भाटिया जल्द ही हॉरर और थ्रिलर से भरी फिल्म 'रागिनी एमएमएस 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। उन्हें इस फिल्म की कहानी और उसमें मौजूद हॉरर का तड़का बहुत पसंद आया, जिसके चलते उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कर दी है। तमन्ना के साथ अब खूबसूरत अभिनेत्री नोरा फतेही भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं।

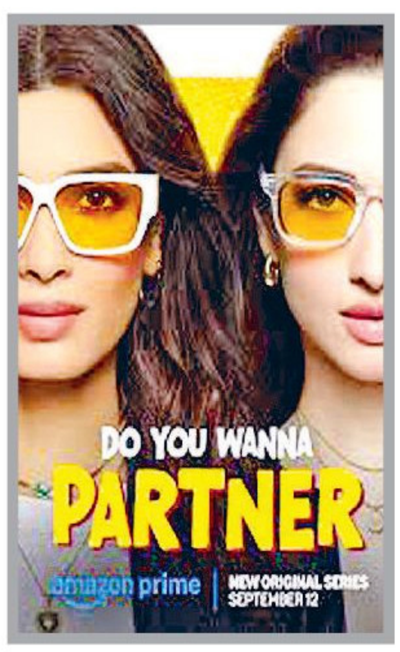

नई सीरीज डू यू वाना पार्टनर की घोषणा

मुंबई। निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने नई सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' की घोषणा की है। करण ने अपने इंस्टाग्राम पर मंगलवार को सीरीज का पहला पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में सीरीज की लीड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी नजर आ रही हैं। करण ने इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है, जिसके मुताबिक यह नई सीरीज 12 सितंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। हालांकि, अभी तक सीरीज के बारे में और जानकारी तो सामने नहीं आई है और न ही इसकी कास्ट का पता चला है। लेकिन करण जौहर ने अपनी पोस्ट में तमन्ना और डायना के अलावा नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नीरज काबी और रणविजय जैसे सितारों को भी मेंशन किया है। जिससे ये उम्मीद जताई जा रही है कि ये सितारे भी सीरीज का प्रमुख हिस्सा हो सकते हैं।

टीवी मसाला

इन 7 सदस्यों पर लटकी घर से बेघर होने की तलवार

नई दिल्ली। सलमान खान का विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। शो में इस बार 15 हस्तियों ने एंट्री की है, और आते ही बवाल काटना शुरू कर दिया है। जहां प्रीमियर के बाद दूसरे दिन घरवालों में आते ही झगड़ा देखने को मिला। वहीं, अब नॉमिनेशन्स भी शुरू हो गए हैं। इस हफ्ते बेघर होने के लिए कौन-कौन नॉमिनेट हुए हैं, उनके नाम आ चुके हैं। 'बिग बॉस 19' के 25 अगस्त वाले एपिसोड में सभी कंटेस्टेंट्स को असेम्बली रूम में बुलाया गया था। वहां पूछा गया कि अभी घरवालों को कौन-सा सदस्य कम एक्टिव है। ज्यादा वोट फरहाना भट्ट को मिले, जिसके बाद उन्हें घरवालों की नजरों में तो बेघर कर दिया गया लेकिन जनता के लिए वह सीक्रेट रूम में हैं, जहां से पूरे घर को मॉनीटर कर रही हैं। घरवालों को जहां ये लगा कि पहले हफ्ते का पहला एविक्शन हो गया है तो वह सेफ हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। 26 अगस्त को आने वाले नॉमिनेशन स्पेशल में टास्क हुआ, और उसमें कुल सात कंटेस्टेंट्स बेघर होने के लिए नॉमिनेट किए गए। इसमें अभिषेक बजाज, गौरव खन्ना, जीशान कादरी, नीलम गिरी, तान्या मित्तल, नतालिया जानोसजेक और प्रणति मोरे का नाम शामिल है। वैसे हर सीजन की एक रीत रही है कि पहले हफ्ते मेकर्स किसी को बेघर नहीं करते। लेकिन इस बार अगर कुछ नया करना हुआ तो कोई एक सदस्य बाहर जा सकता है।

बप्पा को घर लाए गुरमीत और देबिना

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी का त्योहार आ गया है। लोगों के घरों में बप्पा का आगमन होना शुरू हो गया है। बॉलीवुड में भी कई सेलेब्स हैं, जो हर साल बप्पा को अपने घर लाते हैं। अब इस साल भी ये सिलसिला शुरू हो गया है। टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफर करने वाले अभिनेता गुरमीत चौधरी और उनकी पत्नी देबिना बनर्जी ने अपनी परंपरा को कायम रखा है। दोनों हर वर्ष की भांति इस साल भी अपने घर बप्पा को लाए हैं। अब इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। गणपति के परम भक्त माने जाने वाले गुरमीत और देबिना के जोड़े ने अपनी बेटियों लियाना और दिविशा के साथ बप्पा का अपने घर में स्वागत किया है। वायरल वीडियो में दोनों अपनी गणपति की मूर्ति घर लाने से पहले एक मूर्ति की दुकान पर जाते हुए दिखाई दिए। इस वीडियो में परिवार बड़े प्यार से मूर्ति को ले जाते हुए दिखाई दे रहा है।

अपनी मिमिक्री देख भड़के सुनील

बोले- इतना घटिया मैंने कभी नहीं देखा

मुंबई। सुनील शेट्टी हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे और इस दौरान जब एक आर्टिस्ट ने उनकी मिमिक्री की तो वह काफी भड़क गए। इतना ही नहीं, उन्होंने आर्टिस्ट को दोबारा उनकी मिमिक्री करने से मना कर दिया। सुनील शेट्टी जो आम तौर पर काफी कूल दिखते हैं, उनका नया वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह गुस्से में नजर आ रहे हैं।

वीडियो में आप देखेंगे कि सुनील एक आर्टिस्ट को उनकी मिमिक्री करने के लिए डांट रहे हैं और सभी काफी हैरानी से एक्टर को देख रहे हैं। वीडियो भोपाल का बताया जा रहा है, हालांकि कब का है यह इवेंट पता नहीं चल पाया है। सुनील बोलते हैं, 'तब से यह भाईसहाब अलग-अलग डायलॉग बोल रहे हैं जो मेरी आवाज में है ही नहीं। इतना घटिया मिमिक्री मैंने कभी देखा बी नहीं है। जब सुनील शेट्टी बोलता है तो एक मर्द की तरह बोलता है, ये बच्चे की तरह बोल रहा था। बेटा जब मिमिक्री करते हो तो अच्छे से करनी चाहिए। खराब नकल नहीं करनी चाहिए।' सुनील की इस बात को सुनकर मिमिक्री आर्टिस्ट माफी भी मांगते हैं। वह बोलते हैं, 'सॉरी सर, मैं बिल्कुल आपकी मिमिक्री करने की कोशिश नहीं कर रहा था।' इस पर सुनील बोलते हैं कि कोशिश करना भी मत बेटा। अभी बहुत टाइम है सुनील शेट्टी बनने में, पीछे बाल बांधने से कुछ नहीं होता है। अभी बच्चा है, लगता है सुनील शेट्टी की एक्शन फिल्म नहीं देखी है इसने। इस वीडियो को देखकर सब काफी हैरान हैं और सुनील के रिएक्शन से निराश भी हैं। किसी ने कमेंट किया कि ये काफी रूड है।

अनीत यशराज की फिल्म में मनीष संग करेंगी काम उधर विक्की कौशल की 'महावतार' को झटका

मुंबई। अनीत पड्डा के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। खबर है कि यशराज फिल्म्स ने उन्हें एक और नई रोमांटिक फिल्म ऑफर की है, जिसे 'बैंड बाजा बारात' फेम मनीष शर्मा डायरेक्ट करेंगी। दूसरी ओर, चर्चा है कि विक्की कौशल की 'महावतार' पोस्टपोन हो गई है। अनीत पड्डा और अहान पांडे इन दोनों ही युवा कलाकारों के करियर पर आदित्य चोपड़ा की बारीक नजर है। 'सैयारा' की सफलता के बाद, दोनों ही जेन-जी के लिए रोमांस का चेहरा बनकर उभरे हैं। ऐसे में

आदित्य का मानना है कि एक और रोमांटिक फिल्म के लिए यह एकदम सही समय है। उन्होंने इसके लिए अपने पुराने भरोसेमंद मनीष शर्मा पर दांव लगाया है। नई रोमांटिक फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू हो गया है। बैंड बाजा बारात और शुद्ध देसी रोमांस जैसी फिल्मों से मशहूर हुए मनीष शर्मा की यह फिल्म पंजाब पर आधारित होगी। इसकी शूटिंग 2026 की पहली छमाही में शुरू हो जाएगी। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग पर काम होगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मेकर्स अनीत के अपोजिट लीड रोल में किसे कास्ट करते हैं। वैसे, मनीष शर्मा की पिछली फिल्म सलमान खान संग 'टाइगर 3' थी, जो बॉक्स ऑफिस पर दम नहीं दिखा पाई थी। दूसरी ओर, विक्की कौशल की फिल्म 'महावतार' इसी साल आखिरी तिमाही में फ्लोर पर आने वाली थी। लेकिन, अब इसके निर्माण में देरी होगी। विक्की इन दिनों संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में बिजी हैं। इसलिए वह 'महावतार' की शूटिंग अगले साल अप्रैल से पहले शुरू नहीं कर पाएंगे। ऐसे में इसे दिसंबर 2026 में रिलीज करना संभव नहीं होगा।

देवा हो देवा गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन ...

बॉलीवुड के ये गाने गणेश चतुर्थी पर ले आते हैं भक्ति की शक्ति

नई दिल्ली। आज से देशभर में गणेश उत्सव शुरू हो रहा है। पंडाल सज चुके हैं और लोग गणपति बप्पा का स्वागत करने को बेताब हैं। ऐसे में बॉलीवुड के भक्ति से भरे ये गणेश चतुर्थी स्पेशल गाने उत्सव का रंग और खास बना देते हैं।

देवा श्री गणेश (अग्निपथ) : ऋतिक रोशन और प्रियंका चोपड़ा पर फिल्माए गए इस गाने का संगीत अजय अतुल ने दिया है। जबकि गाने को अजय गोगवाले ने आवाज दी है।

मोरिया रे (डॉन (2013) : शाहरुख खान पर यह गाना फिल्माया गया है, जिसे शंकर महादेवन ने आवाज दी है। जावेद अख्तर के लिखे इस गाने का संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है, जो खासकर विसर्जन के वक्त बजाया जाता है।

बप्पा (बैंजो) : रितेश देशमुख और नर्गिस फखरी पर यह गाना फिल्माया गया है। गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और विशाल-शेखर इसके कंपोजर हैं। विशाल ददलानी ने यह सॉन्ग गाया है।

शंभू सुतया (एनी बडी कैन डांस) : गणेश आचार्य, प्रभु देवा आदि पर फिल्माया गया यह गाना सचिन जिगर ने कंपोज किया है। गाने के बोल मयूर पुरी ने लिखे हैं और शंकर मदेवन और विशाल ददलानी ने इसे आवाज दी है।

सड्डा दिल भी तू (एनी बडी कैन डांस) : इस गाने को आवाज हार्ड कौर ने दी है। सचिन जिगर इसके कंपोजर हैं और मयूर पुरी ने इस गाने के बोल लिखे हैं।

गजानना (बाजीराव मस्तानी) : रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण जैसे कलाकारों से सजी फिल्म का यह गाना सुखविंदर सिंह ने गाया है। प्रशांत इंगोले ने इसके बोल लिखे हैं। श्रेयस पुराणिक ने गाने को कंपोज किया है।

विघ्नहर्ता (अंतिम : द फाइनल ट्रुथ) : सलमान खान और आयुष शर्मा स्टारर फिल्म का यह गाना वरुण धवन पर फिल्माया गया है। गाने के बोल वैभव जोशी ने लिखे हैं और संगीत हितेश मोदक ने दिया है। अजय गोगवाले इस इस गाने के सिंगर हैं।

गणपति आरती (सरकार 3) : अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया यह गाना उन्होंने ही गाया है। रोहन विनायक ने इस गाने का संगीत दिया है।

गणपति बप्पा (दिन दहाड़े) : सुरेश वाडकर और कुमार सानू ने इस गाने को आवाज दी है। गाने के कंपोजर जीतू-तपन हैं और नक्श ल्यालपुरी ने इस गाने के बोल लिखे हैं।

देवा हो देवा (हमसे बढ़कर कौन) : आशा भोसले, शैलेन्द्र सिंह, भूपिंदर, सपन चक्रवर्ती, और मोहम्मद रफी ने यह गाना गाया है। राम लक्ष्मण इसके कंपोजर हैं और रविंदर रावल ने इसके बोल लिखे हैं।

शेंदूर लाल चढ़ायो (वास्तव) : गणेश चतुर्थी के लिए एक गान माना जाता है, इसे अक्सर गणेश के आगमन और विसर्जन के दौरान बजाया जाता है। संजय दत्त का भावनात्मक प्रदर्शन इसके प्रभाव को बढ़ाता है।

'सुनो गणपति बप्पा मोरया (जुड़वा 2) : वरुण धवन की फिल्म 'जुड़वा 2(2017)' में 'सुनो गणपति बप्पा मोरया.' बहुत ही शानदार ढंग से फिल्माया गया है। वरुण धवन ने इस गाने पर कमाल का डांस किया है। गणेश उत्सव में भी यह गीत आम जनमानस बजाते हैं।

मेरा ही जलवा (वॉन्टेड) : साल 2009 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म वॉन्टेड में 'मेरा ही जलवा' नाम एक गाना था, जिसमें सलमान खान का किरदार गणेश उत्सव में जमकर डांस करता है। बप्पा की पूजा करता है। इस गाने में अनिल कपूर की झलक भी देखने को मिलती है।

सुख कर्ता दुख हर्ता (अतिथि तुम कब जाओगे) : अजय देवगन की फिल्म 'अतिथि तुम कब जाओगे(2010)' में मराठी भाषा की चर्चित गणेश आरती शामिल थी। यह फिल्म के क्लाइमैक्स में आती है। यह आरती फिल्म में दिए गए संदेश को और भी खास बना देती है।

खबर संक्षेप

ग्रैंडस्लैम एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बने वोंग

न्यूयॉर्क। इक्कीस वर्ष के कोलमैन वोंग 1968 के बाद से ओपन युग में किसी ग्रैंडस्लैम में एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। वोंग ने अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मेरे लिये यह बड़ा पल है। मेरे परिवार और हांगकांग के लोगों के लिये भी।'' वोंग के आदर्श रफेल नडाल हैं और उनका परिवार स्पेन जा बसा था ताकि वह राफा नडाल अकादमी में प्रशिक्षण ले सकें। वोंग ने कहा ,''यह टूर्नामेंट हर टेनिस खिलाड़ी का सपना है। हर खिलाड़ी यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। मैं इस लय को कायम रखना चाहता हूं।

आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में हारी कीस

न्यूयॉर्क। आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन मेडिसन कीस को अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मैक्सिको की 82वीं रैंकिंग वाली रेनेटा जाराजुआ ने हराकर उलटफेर कर दिया। छठी वरीयता प्राप्त कीस ने 89 सहज गलतियां और 14 डबल फाल्ट किये जिसकी वजह से उन्हें 7-6, 6-7, 5-6 से पराजय का सामना करना पड़ा। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के 19 वर्ष के जोओ फोंसेका ने अमेरिकी ओपन में पदार्पण के साथ जीत दर्ज करते हुए मियोमीर केसमानोविच को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया। वहीं कनाडा की 18 वर्ष की विकी एमबोको ने दो बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से मात दी। दो बार की विम्बलडन चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा को डायने पैरी ने 6-1, 6-0 से हराया। 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंची कैरोलिन गार्सिया अपने कैरियर के आखिरी टूर्नामेंट में कामिला रखिमोवा से 6-4, 4-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गई।

हॉकी एशिया कप में दर्शकों को निशुल्क प्रवेश

राजगीर। इंडिया ने घोषणा की कि 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश मिलेगा। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा ,'' प्रशंसक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू टिकट जिनी डॉट इन या हॉकी इंडिया ऐप के जरिये मुफ्त टिकट पा सकते हैं। उन्हें प्रक्रिया पूरी करने पर वर्चुअल टिकट मिलेगा। हीरो पुरूष एशिया कप में आठ टीमें भारत, जापान, चीन, कजाखस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै भाग लेंगी। यह 2026 में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है। भारत को पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है।

बंगाल वारियर्स के कप्तान बने देवांक दलाल

कोलकाता। बंगाल वारियर्स ने मंगलवार को प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र के लिए स्टार रेडर देवांक दलाल को अपना कप्तान बनाने की घोषणा की। अनुभवी डिफेंडर नितेश कुमार डिफेंस कप्तान होंगे। दो करोड़ 20 लाख 50 हजार रुपये के साथ सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने देवांक ने सिर की गंभीर चोट से उबरने के दो साल बाद 11वें सत्र में रिकॉर्ड 301 रेड अंक बनाए थे। पीकेएल के सत्र में 100 टैकल अंक के आंकड़े को पार करने वाले एकमात्र खिलाड़ी नितेश ने अपने करियर में 400 से अधिक टैकल अंक जुटाए हैं और बंगाल की टीम के डिफेंस में अपनी उपयोगिता साबित करते रहे हैं।

16 साल के रियो ने अंतिम पल में न्यूकैसल का सपना किया चकनाचूर

एजेंसी ▶▶ लंदन

सेंट जेम्स पार्क में खेले गए इस मुकाबले को प्रीमियर लीग के सबसे रोमांचक मैचों में गिना जाएगा। पांच गोल, एक रेड कार्ड, 10 खिलाड़ियों वाली न्यूकैसल यूनाइटेड ने जबरदस्त वापसी की लेकिन अंतिम समय यानी 100वें मिनट में लिवरपूल के 16 साल के खिलाड़ी रियो के निर्णायक गोल ने पूरा मुकाबला ही बदल दिया और विपक्षी टीम का सपना चकनाचूर कर दिया। लिवरपूल के युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा ने सबसे कम उम्र में प्रीमियर लीग में गोल करके इतिहास रच दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी।

मैच से पहले तनावपूर्ण माहौल

इस मैच का बैकग्राउंड पहले से ही गर्म था। न्यूकैसल के स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक के संभावित लिवरपूल ट्रांसफर की अफवाहों ने माहौल को और अधिक उबाल दिया था। इसाक ने खुलेआम क्लब छोड़ने की इच्छा जताई थी, लेकिन न्यूकैसल ने 150 मिलियन की मांग पूरी हुए बिना उन्हें बेचने से इनकार कर दिया।

एकिटिके भी रहे खबरों में

उधर, लिवरपूल के लिए नया स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके भी खबरों में थे। न्यूकैसल उन्हें साइन करना चाहता था, लेकिन वह लिवरपूल में शामिल हो गए। इससे न्यूकैसल के फैंस नाराज हो गए और मैच से पहले ही उन्होंने एकिटिके पर तंज कसा।

लिवरपूल को दिलाई 3-2 से दमदार जीत

एंथनी को रेड कार्ड, लिवरपूल का दबदबा

मैच की शुरुआत में न्यूकैसल यूनाइटेड ने आक्रामक रुख अपनाया और कई मौके बनाए, लेकिन अलेक्जेंडर इसाक की गैरमौजूदगी साफ़ झलक रही थी। लिवरपूल ने रयान ग्रेवेनबेर्च के जरिए बढ़त बनाई और फिर एकिटिके ने स्कोर 2-0 कर दिया। हालात तब और बिगड़ गए जब न्यूकैसल के एंथनी गॉर्डन को पहले हाफ के अंतिम क्षणों में वर्जिल वान डाइक पर फाउल करने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया।

न्यूकैसल के ब्रूनो व ओसुला ने स्कोर किया बराबर

दूसरे हाफ की शुरुआत में न्यूकैसल ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने सेट पीस का बखूबी इस्तेमाल किया। ब्रूनो गुइमारेस ने लिवरपूल के थ्रो-इन को गोल में बदला और फिर विलियम ओसुला ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों के साथ शानदार वापसी की और ऐसा लग रहा था कि मैच ड्रॉ पर खत्म होगा।

रियो बने सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर

मैच का सबसे खास और ऐतिहासिक पल 100वें मिनट में आया, जब 16 साल और 361 दिन के रियो न्गुमोहा ने गोल कर लिवरपूल को 3-2 से जीत दिला दी। इस गोल के साथ वह क्लब के सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बन गए और प्रीमियर लीग इतिहास में वेन रूनी के बाद चौथे सबसे युवा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बने।

लिवरपूल चमकता सितारा

रियो न्गुमोहा का यह डेब्यू किसी सपने से कम नहीं था। अगर यह परफॉर्मेंस उनकी प्रतिभा की झलक है, तो लिवरपूल को भविष्य का एक चमकता सितारा मिल चुका है। मर्सीसाइड और टाइनसाइड आज रियो न्गुमोहा के नाम को लंबे समय तक याद रखेंगे।

दलीप ट्रॉफी 2025 का आगाज 28 से, रोमांचक मैचों की श्रृंखला होगी शुरू

किशन ईस्ट, शार्दुल वेस्ट, तिलक साउथ और शुभमन बने नॉर्थ जोन के कप्तान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 28 अगस्त से हो जाएगी। इस घरेलू टूर्नामेंट में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल नॉर्थ जोन का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे।

बता दें कि उनके नेतृत्व में खेलते हुए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 आखिर में 2-2 से बराबर रही थी। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट की टीमें, शेड्यूल घोषित हो गया है। सभी मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे।

28 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट

28 अगस्त को दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहले क्वार्टर फाइनल मैच में नॉर्थ जोन का सामना साउथ जोन से होगा। इसके बाद दूसरे क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन और साउथ जोन की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 4 सितंबर से दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आखिर में 11 सितंबर से फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह सभी मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-ए और बी, बेंगलुरु में खेले जाने तय हैं।

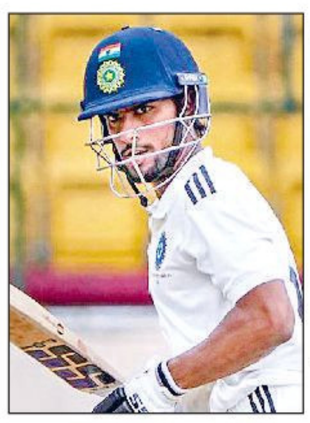

साउथ जोन

टीम : तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उपकप्तान), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीसन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैश्यक, निधिश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजापनीत सिंह, और स्नेहल कौथंकर।

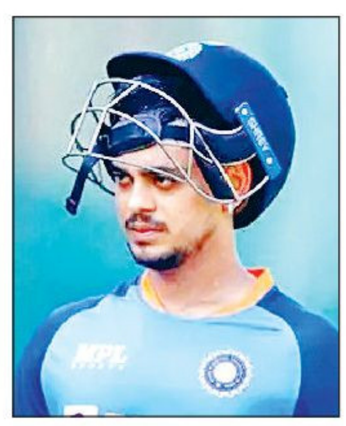

ईस्ट जोन

टीम: ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप और मोहम्मद शमी।

वेस्ट जोन

टीम: शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे और अर्जन नागवासवाला।

सेंट्रल जोन की कप्तानी करेंगे ध्रुव जुरेल

टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान/ विकेटकीपर), रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार और खलील अहमद।

नॉर्थ जोन

टीम: शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन।

एशियाई चैम्पियनशिप

राइफल निशानेबाज सिफत को एशियाई चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण

एजेंसी ▶▶ शिमकेंट (कजाखस्तान)

ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण जीतने के साथ भारत को टीम स्पर्धा में भी पीला तमगा दिलाया। विश्व रिकॉर्डधारी सामरा ने फाइनल में 459 . 2 स्कोर करके चीन की यांग यूजी (458 . 8) को हराया। वहीं सामरा, अंजुम मुद्गिल और आशी चौकसे की तिकड़ी ने टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई चैम्पियनशिप में यह सामरा का चौथा स्वर्ण है। वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में 589 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में पहुंची थी।

सामरा और आशी फाइनल में पहुंचे

भारत की श्रियांका साडंगी क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रही थी लेकिन वह सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिये खेल रही थी लिहाजा सामरा और आशी पहले और चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। सामरा ने नीलिंग में 151 . 0 और प्रोन में 156 . 2 स्कोर किया। स्टैंडिंग एलिमिनेशन दौर में वह चीनी प्रतिद्वंद्वी से 0 . 4 अंक आगे रही। जापान की नोबाता मिसाकी (448 . 2) को कांस्य पदक मिला । आशी 402 . 8 अंक लेकर सातवें स्थान पर रही।

खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

क्वालीफिकेशन में सामरा ने 589 स्कोर किया जबकि आशी का स्कोर 586 और अंजुम का 578 रहा। तीनों ने कुल 1753 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। जापान 1750 अंक लेकर दूसरे और दक्षिण कोरिया 1745 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। दो बार की ओलंपियन अंजुम 41 निशानेबाजों में 22वें स्थान पर रही। सोमवार को राष्ट्रीय खेल चैम्पियन नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप वर्ग में स्वर्ण जीता था।

केरल क्रिकेट लीग

संजू ने एक गेंद पर बनाए 13 रन; गेंदबाज के उड़ाए होश

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल क्रिकेट लीग 2025 में संजू सैमसन ने बल्ले से गजब का तमाशा दिखाया। एक ही गेंद पर दो छक्के लगाकर 13 रन बटोरे। संजू ने न केवल मैदान में बल्कि सोशल मीडिया पर भी तहलका मचा दिया।

लीग के मुकाबले में मंगलवार को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में संजू ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए त्रिशूर टाइटन्स के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन ठोके, जिसमें 4 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे।

दूसरा सिक्स लगते ही झूम उठे दर्शक

मैच का सबसे रोमांचक पल पांचवें ओवर में आया, जब त्रिशूर टाइटन्स के कप्तान सिजोमन जोसेफ की गेंद पर सैमसन ने डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर लंबा छक्का जड़ा। अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दिया और अगली गेंद फ्री-हिट मिली। सैमसन ने मौके को भुनाते हुए मिडविकेट पर एक और छक्का जड़ दिया। इस तरह एक गेंद से कुल 13 रन बने और स्टेडियम तालियों से गूंज उठा।

सिंधू और प्रणय की जीत से शुरुआत

पेरिस। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व चैंपियन पी वी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सीधे गेम में जीत के साथ क्रमश: महिला और पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए। विश्व की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आई लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और अपने आक्रामक खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए महिला एकल के अपने पहले दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग की बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को 23-21, 21-6 से हराया। विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में फिनलैंड के विश्व में 47वें नंबर के खिलाड़ी जोकिम ओल्डॉर्फ को 21-18, 21-15 से हराया।

भारत की कोयल बार ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाए

अहमदाबाद। भारतीय भारोत्तोलक कोयल बार ने मंगलवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में महिलाओं की 53 किग्रा स्पर्धा में दो नए युवा विश्व रिकॉर्ड स्थापित करके युवा और जूनियर दोनों खिताब जीते। जूनियर और युवा दोनों वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए इस किशोरी ने कुल 192 किग्रा (85 किग्रा + 107 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने पहले 85 किग्रा भार उठाकर युवा स्नैच विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर क्लीन एंड जर्क में अपने दूसरे प्रयास में 107 किग्रा भार उठाकर 105 किग्रा के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। इसके साथ ही, उन्होंने 188 किग्रा के मौजूदा युवा विश्व कुल रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। कोयल का प्रयास उनकी हमवतन स्नेहा सोरेन से तीन बेहतर था, जिन्होंने 185 किग्रा (81 किग्रा+ 104 किग्रा) के साथ सीनियर वर्ग में रजत जीता था।

महिला विश्व कप ट्रॉफी इंदौर पहुंची...

इंदौर। आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप ट्रॉफी टूर ने शहर के सबसे ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थलों, जैसे राजवाड़ा पैलेस, गांधी हॉल, केंद्रीय संग्रहालय, सिरपुर झील और पितृ पर्वत का भ्रमण करते हुए इंदौर में अपना पड़ाव डाला। तीस सितंबर से शुरू होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के दौरान इंदौर पांच मैचों की मेजबानी करेगा।

सिनक्यूफील्ड कप

प्रज्ञानानंदा को संयुक्त बढ़त, गुकेश हारे

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने फ्रांस के अलीरजा फिरोजा को हराकर ग्रैंड शतरंज टूर के सिनक्यूफील्ड कप के सातवें दौर के बाद संयुक्त बढत बना ली। लगातार ड्रॉ के बाद प्रज्ञानानंदा की यह दूसरी जीत है। वह अमेरिका के फेबियानो कारूआना के साथ 4.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि विश्व चैम्पियन डी गुकेश को अमेरिका के वेसली सो के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। लेवोन आरोनियन और वेसली चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव, पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ और अमेरिका के सैमुअल सेवियान संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। गुकेश और अलीरजा तीन तीन अंक लेकर अगले स्थान पर हैं जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव डेढ अंक के साथ आखिरी स्थान पर हैं।

समय सीमा निकल जाने के बाद लेनी होगी एसीसी से परमिशन

एशिया कप की टीमें 30 तक बदल सकती हैं खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। यह टूर्नामेंट इस बार 9 सितंबर से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा। खास बात यह है कि इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में होगा, जो कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले सभी टीमों के लिए एक बेहतरीन तैयारी का मौका होगा।

प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। खास बात यह है कि एसीसी ने भाग ले रहीं टीमों को 30 अगस्त तक छूट दी है कि वे अपने स्क्वाड में बिना अनुमति के बदलाव कर सकती हैं। समय सीमा बीत जाने के बाद टीमों में बदलाव के लिए एसीसी से अनुमति लेनी होगी। एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान का पहला मुकाबला 14 सितंबर को होगा।

स्क्वॉड में बदलाव के लिए तारीख घोषित

टूर्नामेंट से पहले सभी टीमें अपने-अपने स्क्वॉड की घोषणा कर चुकी हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग और ओमान ने अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। श्रीलंका और यूएई ने अब तक अपनी टीम नहीं बताई है।

एशियाई क्रिकेट परिषद की गाइडलाइंस के अनुसार, 30 अगस्त तक टीमें बिना किसी अनुमति के अपने स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं। ये बदलाव किसी चोटिल खिलाड़ी की जगह भी हो सकते हैं या बिना किसी विशेष कारण के भी।

तारीख निकलने के बाद लेनी होगी एसीसी की अनुमति

अगर 30 अगस्त के बाद एशिया कप के लिए किसी टीम को अपने स्क्वॉड में बदलाव करना है, तो उन्हें एसीसी से विशेष अनुमति लेनी होगी। इसका मतलब है कि सभी टीमें 30 अगस्त की डेडलाइन से पहले अपनी योजनाएं अंतिम रूप देने में जुटी हुई हैं।

भारत-पाक की भिड़ंत का इंतजार

एशिया कप का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा, जब भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें पहले लीग चरण में भिड़ेंगी, लेकिन यही मुकाबला सुपर-4 में दोबारा हो सकता है। अगर दोनों टीमें फाइनल तक का सफर तय करती हैं, तो तीसरी बार भी इनका आमना-सामना होगा। यानी फैंस को इस बार भारत-पाकिस्तान की टक्कर तीन बार देखने को मिल सकती है।

राहुल गांधी का सवाल: गुजरात की गुमनाम पार्टियों को ₹4300 करोड़ का चंदा आखिर कहां से मिला?

-कांग्रेस का आरोप: गुमनाम दलों के जरिए हो रहा चुनावी चंदे का खेल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनावी चंदे और पारदर्शिता को लेकर बड़ा मुद्दा उठाया है। बुधवार को उन्होंने गुजरात की कुछ अनाम राजनीतिक पार्टियों को मिले ₹4300 करोड़ के चंदे पर गंभीर सवाल खड़े किए। राहुल ने सीधे तौर पर चुनाव आयोग (EC) से पूछा कि क्या वह इस मामले की जांच करेगा या फिर इन दलों से एफिडेविट मांगेगा। दरअसल, राहुल गांधी ने दैनिक भास्कर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गुजरात में ऐसी 10 पार्टियां हैं, जिनके नाम तक आम जनता ने कभी नहीं सुने, लेकिन उन्हें हजारों करोड़ का चंदा मिला। हैरानी की बात यह है कि इन पार्टियों ने अब तक बहुत ही कम चुनाव लड़े हैं और चुनाव आयोग को जो खर्च का ब्यौरा सौंपा गया, उसमें केवल 39 लाख रुपए का खर्च ही दिखाया गया।

राहुल गांधी का हमला

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट X (पूर्व ट्विटर) पर लिखा : "गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन ₹4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है। चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि इतना पैसा आया कहां से और गया कहां।" उनका सीधा इशारा इस ओर था कि गुमनाम पार्टियों के जरिए किसी बड़े राजनीतिक खेल को अंजाम दिया जा रहा है।

चंदे का खेल और पारदर्शिता का सवाल

भारत की राजनीति में चुनावी चंदा लंबे समय से बहस का विषय रहा है। हालांकि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक ठहराते हुए इसे रद्द कर दिया, लेकिन अब भी कई सवाल बाकी हैं। आखिरकार इतनी बड़ी रकम किन स्रोतों से इन पार्टियों तक पहुंची? जब इन दलों की कोई बड़ी पहचान ही नहीं है, तो उन्हें चंदा देने वालों का मकसद क्या था? क्या यह चंदा किसी और राजनीतिक दल तक पहुंचाने के लिए "रूट" बनाया गया? यही वे बिंदु हैं, जिन पर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

गुजरात से क्यों जुड़ा मामला?

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन 10 गुमनाम पार्टियों को ₹4300 करोड़ मिले, उनमें से अधिकतर का पंजीकरण गुजरात में हुआ है। इन दलों का न तो कोई बड़ा राजनीतिक जनाधार है और न ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव लड़े हैं। यही कारण है कि राहुल गांधी और विपक्ष इसे गुजरात की सियासत से जोड़कर देख रहा है। गुजरात लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी (BJP) का गढ़ माना जाता है। ऐसे में राहुल का सवाल अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा पर भी निशाना है कि क्या यह पैसा सत्ताधारी दल तक पहुंचाने के लिए इन गुमनाम पार्टियों का इस्तेमाल किया गया।

विपक्ष की राजनीति बनाम चुनाव आयोग की चुप्पी

राहुल गांधी का यह हमला केवल चुनावी पारदर्शिता का सवाल नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाता है। क्या चुनाव आयोग ऐसे मामलों की स्वतः संज्ञान लेगा? क्या वह इन पार्टियों से चंदे का हिसाब-किताब मांगेगा? या फिर हमेशा की तरह चुप्पी साधे रहेगा? यही प्रश्न अब विपक्ष बार-बार उठा रहा है।

जनता का भरोसा और लोकतंत्र का सवाल

लोकतंत्र की बुनियाद पारदर्शिता और जवाबदेही पर टिकी होती है। अगर राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का कोई स्पष्ट हिसाब नहीं है, तो यह जनता के भरोसे पर सीधा हमला है। जनता को यह जानने का हक है कि राजनीतिक दलों को पैसा कहां से और क्यों मिल रहा है। अगर यह पैसा किसी कॉरपोरेट या कारोबारी हित साधने के लिए दिया गया, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर देगा। वहीं, अगर यह चंदा "ब्लैक मनी" को वैध बनाने का जरिया है, तो यह भ्रष्टाचार को और गहरा करेगा।

कांग्रेस की रणनीति

कांग्रेस लंबे समय से इलेक्टोरल बॉन्ड्स और चुनावी चंदे के मुद्दे को हवा देती आ रही है। राहुल गांधी इस मुद्दे को बार-बार जनता के सामने रखकर यह साबित करना चाहते हैं कि भाजपा और उसके सहयोगी दल गुप्त फंडिंग का सहारा लेकर सत्ता पर पकड़ मजबूत कर रहे हैं। गुजरात की गुमनाम पार्टियों का मुद्दा उठाकर कांग्रेस आने वाले चुनावों में इसे बड़ा हथियार बनाने की तैयारी कर रही है। खासकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ब्लॉक इस मुद्दे पर एकजुट होकर भाजपा पर हमला कर सकता है। राहुल गांधी का यह सवाल सिर्फ गुजरात तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे भारतीय लोकतंत्र की साख और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है। यदि सचमुच गुमनाम पार्टियों को ₹4300 करोड़ का चंदा मिला है और उनका कोई स्पष्ट खर्च या चुनावी गतिविधि दर्ज नहीं है, तो यह बेहद गंभीर मामला है। अब सबकी नजर चुनाव आयोग पर है कि वह इस पर क्या कदम उठाता है।

वैष्णो देवी हादसा: लैंडस्लाइड में 32 की मौत, कई लापता; भारी बारिश से यात्रा स्थगित

-अर्धकुमारी के पास अचानक टूटा पहाड़, मच गया हाहाकार

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में स्थित विश्व प्रसिद्ध वैष्णो देवी धाम में मंगलवार को हुआ भीषण हादसा श्रद्धालुओं और पूरे देश को झकझोर गया। अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूरी पर, इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास अचानक हुए लैंडस्लाइड ने देखते-देखते सब तबाह कर दिया। बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और भारी मलबा ट्रैक पर गिर पड़ा, जिससे अब तक 32 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। कई श्रद्धालु अब भी लापता बताए जा रहे हैं और 23 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसा कैसे हुआ?

मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पुराने ट्रैक पर यह लैंडस्लाइड हुआ। चश्मदीदों के अनुसार, सब कुछ अचानक हुआ। ट्रैक पर श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आगे बढ़ रहे थे, तभी पहाड़ी से पत्थरों और पेड़ों का सैलाब टूट पड़ा।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा – "हम लोग अर्धकुमारी मंदिर से थोड़ा आगे थे, अचानक बहुत तेज़ आवाज़ आई। कुछ समझ पाते उससे पहले ही भारी पत्थर और मलबा नीचे गिरने लगा। सब तरफ अफरा-तफरी मच गई। लोग चीखते-चिल्लाते भागने लगे, लेकिन कई श्रद्धालु मौके पर ही दब गए।"

प्रशासन और बचाव कार्य

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। मलबा हटाने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनरी लगाई गई। भारी बारिश और फिसलन ने राहत कार्य को और मुश्किल बना दिया। रियासी के डीसी ने बताया कि अब तक 32 शव निकाले जा चुके हैं और मृतकों की पहचान की जा रही है। कई लोग अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। घायलों को तुरंत कटरा और जम्मू के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाज़ुक बनी हुई है।

यात्रा स्थगित, मौसम ने बढ़ाई मुश्किलें

लैंडस्लाइड और लगातार हो रही भारी बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। नए और पुराने दोनों ट्रैक बंद कर दिए गए हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि फिलहाल यात्रा पर आने से बचें और मौसम सुधरने तक इंतजार करें। गौरतलब है कि जम्मू शहर में पिछले 24 घंटे के भीतर 250 मिमी से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। इससे पूरे इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई गांवों और खेतों में पानी भर गया है। नदी-नालों में उफान है और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है।

रेल और सड़क यातायात प्रभावित

भारी बारिश और हादसे के चलते रेलवे ने भी बड़े पैमाने पर कदम उठाए हैं। नॉर्दर्न रेलवे ने बुधवार को घोषणा की कि जम्मू-कटरा से चलने वाली और यहां रुकने वाली 22 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा 27 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। हालांकि, यात्रियों की सुविधा को देखते हुए कटरा-श्रीनगर रूट पर ट्रेन सर्विस जारी रखी गई है। सड़क मार्गों पर भी कई जगह बाधाएं आई हैं। कटरा की ओर जाने वाले कई रास्ते बंद कर दिए गए हैं ताकि किसी और अप्रिय घटना को रोका जा सके।

श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षा पर सवाल

वैष्णो देवी धाम देश के सबसे लोकप्रिय धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां सालभर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। बरसात के मौसम में अक्सर भूस्खलन और फिसलन का खतरा बना रहता है। लेकिन इस बार की घटना ने सुरक्षा इंतज़ामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र में मौसम के पूर्वानुमान और सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करने की ज़रूरत है। यदि समय पर ट्रैक बंद कर दिए जाते, तो शायद इतने बड़े हादसे को टाला जा सकता था।

श्रद्धांजलि और मुआवज़े की घोषणा

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के लिए 5-5 लाख रुपए के मुआवज़े और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

आगे की चुनौती

फिलहाल प्रशासन की पहली प्राथमिकता लापता लोगों की तलाश और घायलों का इलाज है। मौसम विभाग ने आने वाले 48 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिससे खतरा और बढ़ सकता है। यह हादसा एक बार फिर यह याद दिलाता है कि पहाड़ी इलाकों में तीर्थयात्रा के दौरान प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। आधुनिक तकनीक और समय रहते चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने की ज़रूरत है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से श्रद्धालुओं की जान बचाई जा सके। वैष्णो देवी यात्रा करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, लेकिन इस हादसे ने दुख और पीड़ा की गहरी छाप छोड़ दी है। 32 ज़िंदगियाँ पलभर में खत्म हो गईं और कई परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा।

राहुल गांधी बोले – गुजरात मॉडल दरअसल वोट चोरी का मॉडल है

-स्टालिन का वार – वोटर लिस्ट से नाम हटाना आतंकवाद से भी खतरनाक

दरभंगा, मुजफ्फरपुर। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। बुधवार को यात्रा अपने 11वें दिन बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंची, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी और चुनाव आयोग पर सीधे निशाने साधे। राहुल गांधी ने इस दौरान 'गुजरात मॉडल' को लेकर बड़ा बयान दिया।

गुजरात मॉडल पर राहुल गांधी का हमला

राहुल गांधी ने कहा कि आज जो 'गुजरात मॉडल' की बात बीजेपी करती है, वह दरअसल कोई आर्थिक या विकास का मॉडल नहीं, बल्कि वोट चोरी करने का मॉडल है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल की शुरुआत गुजरात से हुई थी और 2014 के बाद इसे पूरे देश में लागू किया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र और गुजरात के चुनाव बीजेपी ने चोरी किए। उन्होंने कहा – "हम लोग पहले चुप रहते थे, क्योंकि हमारे पास ठोस सबूत नहीं थे। लेकिन महाराष्ट्र के चुनाव में हमें पुख्ता सबूत मिला कि कैसे मतदाता सूची से नाम काटकर और सिस्टम को अपने हिसाब से चलाकर चुनाव प्रभावित किए जा रहे हैं।"

स्टालिन का बीजेपी और चुनाव आयोग पर वार

इस मौके पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भी मंच से बीजेपी और चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि – "वोटर लिस्ट से नाम हटाना आतंकवाद से भी खतरनाक काम है। यह लोकतंत्र की जड़ों पर हमला है। बीजेपी ने चुनाव आयोग को अपनी कठपुतली बना लिया है और लोकतंत्र को लगातार कमजोर किया जा रहा है।" स्टालिन ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि राहुल के शब्दों और उनकी आंखों में कभी डर नहीं झलकता। वे जनता के अधिकारों के लिए बिना भय के लड़ रहे हैं।

यात्रा का कार्यक्रम और जनता से जुड़ाव

राहुल गांधी ने बुधवार सुबह दरभंगा से अपनी यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी साथ रहीं। दोनों भाई-बहन ने यात्रा के एक हिस्से में बुलेट मोटरसाइकिल से सफर किया, जिसने युवाओं में उत्साह और जोश भर दिया। यात्रा दोपहर तक मुजफ्फरपुर पहुंची और शाम 4 बजे यह गायघाट के लिए रवाना हुई। यहां से यात्रा बोचहां, मीनापुर और औराई सीटों से होकर गुजरेगी। इसके अलावा नगर विधानसभा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा भी इस यात्रा से प्रभावित होगा। गौरतलब है कि नगर विधानसभा सीट कांग्रेस के पास है और यहां से विजेंद्र चौधरी विधायक हैं। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस इस यात्रा को एक बड़ी राजनीतिक पूंजी मान रही है, क्योंकि इससे कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और जनता के बीच विश्वास का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है।

जनता से सीधा संवाद

राहुल गांधी ने अपनी सभाओं में लगातार इस बात पर जोर दिया कि वोट चोरी करना लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि जनता के वोट से ही लोकतंत्र जीवित रहता है और अगर वोट का अधिकार छीना गया तो लोकतंत्र बेमानी हो जाएगा। उन्होंने भीड़ से अपील की कि वे सतर्क रहें और ऐसे किसी भी षड्यंत्र को पहचानें।

राहुल ने कहा –

"ये लोग गरीबों की आवाज दबाने के लिए उनके वोट ही छीन रहे हैं। लेकिन हम इस लड़ाई को रुकने नहीं देंगे। यह यात्रा उसी लड़ाई का हिस्सा है।

भारत पर ट्रम्प का 50% टैरिफ बुधवार से लागू: ₹5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट पर असर

-अमेरिका में भारतीय ज्वेलरी-कपड़ों की डिमांड 70% घट सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। 27 अगस्त से अमेरिका ने भारत से आने वाले सामानों पर 50% टैरिफ लागू कर दिया है। यह कदम भारत के लिए बड़ा आर्थिक झटका साबित हो सकता है, क्योंकि इसका सीधा असर लगभग ₹5.4 लाख करोड़ के निर्यात पर पड़ेगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) की रिपोर्ट बताती है कि इस नए टैरिफ से भारत के कपड़े, जेम्स-ज्वैलरी, फर्नीचर और सी-फूड जैसे उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे। नतीजा यह होगा कि भारतीय उत्पादों की मांग 70% तक घट सकती है और हमारी कंपनियों की अमेरिकी बाज़ार में हिस्सेदारी बुरी तरह प्रभावित होगी।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार

भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। टेक्सटाइल, हीरे-ज्वैलरी, ऑर्गेनिक केमिकल्स, दवाइयाँ, फर्नीचर और सी-फूड जैसे उत्पादों की बड़ी मात्रा अमेरिका को भेजी जाती है। अकेले जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर भारत से अमेरिका को लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट करता है। इसी तरह कपड़े और रेडीमेड गारमेंट्स का भी बड़ा हिस्सा अमेरिकी मार्केट पर निर्भर है। ऐसे में 50% टैरिफ का मतलब है कि अमेरिकी ग्राहक इन भारतीय प्रोडक्ट्स को महंगे दामों पर खरीदेंगे। जबकि चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे देश कम टैरिफ के कारण सस्ते दामों पर वही सामान उपलब्ध कराएंगे।

भारतीय उद्योगों पर संभावित असर

कपड़ा उद्योग – भारत का टेक्सटाइल सेक्टर पहले से ही चीन और वियतनाम की सस्ती मैन्युफैक्चरिंग से दबाव झेल रहा है। अब टैरिफ बढ़ने से अमेरिकी बाजार में भारत की हिस्सेदारी और घट सकती है। जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर – हीरे और गोल्ड ज्वैलरी की मांग अमेरिका में हमेशा से अधिक रही है। लेकिन 50% टैरिफ से अमेरिकी ग्राहक भारतीय प्रोडक्ट्स की बजाय मेक्सिको या थाईलैंड से खरीदारी करना पसंद करेंगे। सी-फूड और फर्नीचर – इन दोनों सेक्टरों को भी सीधा नुकसान होगा, क्योंकि अमेरिका में पहले से ही वियतनाम और इंडोनेशिया के प्रोडक्ट्स सस्ते दाम पर बिक रहे हैं। रोज़गार पर असर – निर्यात घटने से लाखों मज़दूरों और छोटे कारोबारियों पर संकट आ सकता है। ज्वैलरी और टेक्सटाइल सेक्टर ही करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार देता है।

भारत के लिए चुनौतियाँ

अमेरिका पर निर्भरता – भारत का बड़ा निर्यात हिस्सा अमेरिका पर निर्भर है। इस स्थिति में टैरिफ बढ़ने से हमारी निर्यात रणनीति कमजोर हो जाती है। प्रतिस्पर्धा में कमी – जब चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और मेक्सिको जैसे देशों पर इतना भारी टैरिफ नहीं लगाया जाएगा, तो भारतीय प्रोडक्ट्स अपने आप महंगे होकर कम प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। डॉलर की आमद में कमी – निर्यात घटने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ेगा और रुपया कमजोर हो सकता है।

क्या हैं भारत के विकल्प?

नई बाज़ार रणनीति – भारत को यूरोप, मध्य एशिया, अफ्रीका और खाड़ी देशों में नए बाजार तलाशने होंगे, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम की जा सके। FTA (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) पर जोर – भारत को यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और खाड़ी देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते जल्द से जल्द पूरे करने होंगे। विविधता लाना – केवल ज्वैलरी और टेक्सटाइल पर निर्भर रहने की बजाय भारत को इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देना होगा। अमेरिका से कूटनीतिक बातचीत – भारत को उच्च स्तरीय कूटनीति का सहारा लेकर अमेरिका को यह समझाना होगा कि ऐसे टैरिफ दोनों देशों के रिश्तों और आपसी व्यापार को नुकसान पहुंचाएंगे। ट्रम्प सरकार के 50% टैरिफ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर बड़ा असर पड़ना तय है। कपड़े, जेम्स-ज्वैलरी और सी-फूड जैसे पारंपरिक सेक्टरों को तगड़ा झटका लगेगा। यह न सिर्फ भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाज़ार में हिस्सेदारी घटाएगा बल्कि रोज़गार और विदेशी मुद्रा भंडार पर भी नकारात्मक असर डालेगा।

भारत के सामने अब दो ही रास्ते हैं –

एक तरफ वह अमेरिका से कूटनीतिक बातचीत कर राहत की कोशिश करे और दूसरी तरफ अपने निर्यात को विविध बनाकर नए बाज़ारों की तलाश करे।

मोदी ने ट्रम्प का फोन नहीं उठाया: जर्मन अख़बार का दावा, व्यापारिक रिश्तों में बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। जर्मनी के प्रमुख अख़बार FAZ (फ्रैंकफर्टर आल्गेमाइने साइटुंग) ने हाल ही में एक चौंकाने वाली रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कम से कम चार बार फ़ोन किया, लेकिन पीएम मोदी ने एक भी कॉल रिसीव नहीं की। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने न केवल अमेरिका के साथ होने वाली व्यापारिक बातचीत रद्द कर दी, बल्कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को भी नई दिल्ली आने से रोक दिया। इस खबर ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और व्यापार जगत में हलचल मचा दी है।

अच्छे रिश्तों से तनाव की ओर सफर

कभी ट्रम्प और मोदी की दोस्ती की मिसालें दी जाती थीं। दोनों नेताओं की मुलाकातों को मीडिया ने "हाउडी मोदी" और "नमस्ते ट्रम्प" जैसे आयोजनों के जरिए वैश्विक स्तर पर प्रचारित किया। ट्रम्प मोदी को "ट्रू फ्रेंड" और "ग्लोबल लीडर" कहते रहे। लेकिन हालात अब बदल चुके हैं। जर्मन अख़बार के मुताबिक, ट्रम्प की आक्रामक ट्रेड पॉलिसी और भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहे जाने से प्रधानमंत्री मोदी बेहद नाराज़ हैं। इसीलिए उन्होंने ट्रम्प की कॉल का जवाब देना भी मुनासिब नहीं समझा।

ट्रम्प की नई टैरिफ पॉलिसी

अमेरिका ने भारत से आने वाले सामानों पर 50% तक का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इसमें से 25% सामान्य शुल्क है, जबकि बाकी 25% टैरिफ को "जुर्माने" के तौर पर लगाया गया है। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो गया है। इसका सीधा असर भारत के लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपये के निर्यात पर पड़ सकता है। खासकर भारतीय ज्वेलरी, कपड़े और हैंडीक्राफ्ट्स की अमेरिका में मांग लगभग 70% तक घटने की आशंका जताई जा रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध और भारत पर अमेरिकी नाराज़गी

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की कड़ी नाराज़गी का एक बड़ा कारण यह भी है कि भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना जारी रखा। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। ट्रम्प ने बार-बार यह संदेश देने की कोशिश की कि भारत को रूस के बजाय अमेरिकी ऊर्जा स्रोतों पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन भारत ने अपने ऊर्जा हितों और सस्ती सप्लाई को ध्यान में रखते हुए रूसी तेल आयात बंद नहीं किया। यही मुद्दा दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने का सबसे अहम कारण माना जा रहा है।

भारत का रुख: आत्मसम्मान और स्वाभिमान की राजनीति

भारतीय कूटनीति का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि बड़े राष्ट्रों के दबाव में आए बिना स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई जाए। मोदी सरकार ने भी इसी सिद्धांत पर चलते हुए अमेरिकी दबाव को नकार दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि मोदी का ट्रम्प से फ़ोन पर बात न करना सिर्फ एक "गुस्से की प्रतिक्रिया" नहीं, बल्कि एक साफ़ संकेत है कि भारत अपनी आर्थिक नीतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा।

आर्थिक असर और व्यापारिक रिश्तों पर खतरा

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्ते हमेशा से मजबूत रहे हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। आईटी सेवाएं, दवाइयां, कपड़े, आभूषण और मशीनरी जैसे सेक्टरों में भारत की अमेरिकी मार्केट पर काफी निर्भरता है। अगर 50% टैरिफ लंबे समय तक जारी रहा, तो इसका असर भारतीय उद्योग और लाखों मज़दूरों पर भी पड़ेगा। दूसरी ओर, अमेरिकी कंपनियों को भी भारत से मिलने वाले सस्ते उत्पाद महंगे हो जाएंगे, जिससे वहां की जनता को भी नुकसान हो सकता है।

कूटनीतिक संदेश

मोदी द्वारा ट्रम्प की कॉल न उठाना अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा संदेश है। यह दर्शाता है कि भारत अब महाशक्तियों के दबाव में झुकने वाला देश नहीं रहा। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले दिनों में भारत और अमेरिका के रिश्तों में और तनाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, यह भी सच है कि दोनों देशों के रणनीतिक और रक्षा संबंध इतने गहरे हैं कि पूरी तरह से दूरी बनाना किसी के हित में नहीं होगा। जर्मन अख़बार FAZ की यह रिपोर्ट चाहे भारत-अमेरिका रिश्तों की असलियत का कितना भी हिस्सा दिखाती हो, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा हालात ने दोनों देशों के बीच अनिश्चितता और अविश्वास को बढ़ा दिया है। भारत जहां अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और आर्थिक हितों पर अड़ा है, वहीं अमेरिका अपने व्यापारिक और सामरिक हितों की रक्षा के लिए दबाव बनाना चाहता है।

भारत पर 50% अमेरिकी टैरिफ: विश्व मीडिया की तीखी प्रतिक्रिया

-रूस-चीन की ओर झुकाव की आशंका

लंदन (एजेंसी)। 27 अगस्त से भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने कुल 50% टैरिफ लागू कर दिया है। जुलाई में अमेरिका ने भारत पर पहले ही 25% अतिरिक्त शुल्क लगाया था, और अब फिर 25% बढ़ाकर इसे दोगुना कर दिया गया है। इस फैसले से भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर गहरा असर पड़ सकता है। खासकर ज्वेलरी, टेक्सटाइल, दवा उद्योग और आईटी सेवाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी।

अमेरिकी मीडिया की प्रतिक्रिया

अमेरिकी अख़बार न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) ने इस कदम को सीधे भारत की रूस से तेल खरीद से जोड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका लगातार चाहता था कि भारत रूस से सस्ता कच्चा तेल लेना बंद करे, लेकिन भारत ने ऊर्जा सुरक्षा और सस्ते दाम की मजबूरी के कारण रूस से तेल आयात जारी रखा। अब ट्रम्प प्रशासन ने इसे "सजा" के तौर पर टैरिफ से जोड़ा है। सीएनएन (CNN) ने लिखा कि यह टैरिफ सिर्फ़ एक आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि राजनीतिक दबाव का तरीका है। चैनल का विश्लेषण कहता है कि "अगर अमेरिका भारत को झुकाने की कोशिश करता है तो मोदी सरकार चीन की तरफ और झुक सकती है। यानी भारत के लिए अब अमेरिका या चीन में से किसी एक को प्राथमिकता देने का दबाव और बढ़ गया है।" सीएनएन ने इशारा किया कि प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच निकट भविष्य में बैठक हो सकती है, ताकि भारत को संतुलन बनाने का मौका मिल सके।

यूरोपीय मीडिया का दृष्टिकोण

गार्जियन (The Guardian) ने इसे अमेरिका की "जबरदस्ती की राजनीति" कहा है। अख़बार का कहना है कि भारत एक बड़े मार्केट और बढ़ती हुई शक्ति है, जिसे पूरी तरह से दबाना मुश्किल है। रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि अमेरिका यूरोप से भी यही अपेक्षा कर रहा है कि वे रूस से व्यापार सीमित करें, लेकिन भारत के मामले में यह ज़्यादा चुनौतीपूर्ण है क्योंकि भारत ऊर्जा की भारी ज़रूरतों और सस्ते तेल पर निर्भर है। जर्मन अख़बार डॉयचे वेले (DW) ने चेतावनी दी है कि अगर भारत पर यह दबाव जारी रहा तो दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन बदल सकता है। भारत रूस और चीन के और नज़दीक जा सकता है, जिससे अमेरिका का एशिया-पैसिफिक में "भारत कार्ड" कमज़ोर हो जाएगा।

भारत पर संभावित असर

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले करीब ₹5.4 लाख करोड़ के निर्यात पर असर पड़ेगा। इनमें ज्वेलरी, कपड़े, मशीनरी और दवाइयां अहम सेक्टर हैं। खास तौर पर ज्वेलरी और कपड़ों की अमेरिकी मार्केट में भारत की हिस्सेदारी अब 70% तक घटने की आशंका है। इससे भारतीय छोटे और मझोले उद्योगों पर बड़ा दबाव बनेगा, जो पहले से ही यूरोप और मध्य-पूर्व की मांग में गिरावट झेल रहे हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,